इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर

ISSN : 0971- 9849
खंड 32, अंक सं. 4 (अक्टूबर से दिसंबर 2025)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्रीमती हेमा चोलिन
श्री मोहित कुमार

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

She Research Network in India (SheRNI)
https://sherni.inflibnet.ac.in/

ShodhShuddhi
https://shodhshuddhi.inflibnet.ac.in/

Shodh-Chakra
https://shodhchakra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

क्रम. सं .	विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1.	निदेशक की कलम से	1-2
2.	इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/वेबिनार	3-10
3.	'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	10-14
4.	भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई..एन.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम	14-16
5.	शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार	16-18
6.	इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-18
7.	उभयलिंगी/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	19-19
8.	नयी परियोजनाएँ/गतिविधियाँ	19-19
9.	इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति	19-29
10.	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच	28-29
11.	हिंदी कार्यक्रमों सहित अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ	29- 37
12.	आगंतुक	38-39
13.	आगंतुक स्टाफ समाचार / कर्मचारी समाचार	39-43
14.	उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया	43-44
15.	क्षेत्रीय समाचारों एवं सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट	44-45

निदेशक की कलम से,

(प्रिय पाठको)

मुझे इन्फ्लिबनेट केंद्र की त्रैमासिक समाचार-पत्रिका के अक्टूबर से दिसम्बर 2025 की अंतिम तिमाही के अंक को आप सब के समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2025 के समापन के अवसर पर यह अंक डिजिटल अवसंरचना, विद्वत्तापूर्ण संसाधनों, प्रशिक्षण एवं प्रसार कार्यक्रमों तथा महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक मंचों के शुभारंभ के माध्यम से भारत के उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान पारितंत्र को सुदृढ़ बनाने के प्रति इन्फ्लिबनेट केंद्र की निरंतर प्रतिबद्धता एवं सेवा-भाव को प्रतिबिंबित करता है।

इस तिमाही की प्रमुख उपलब्धियों में से एक हमारे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 14 वाँ अंतर्राष्ट्रीय कैलिबर 2025 का सफल आयोजन रहा, जिसे श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के सहयोग से आयोजित किया गया। **"पुस्तकालय 2047 : विकसित भारत के लिए ज्ञान का लोकतंत्रीकरण"** विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन में देश-विदेश से 650 से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस आयोजन की एक ऐतिहासिक उपलब्धि 'तिरुपति घोषणाओं' का अनावरण था, जिसमें नौ दूरदर्शी संकल्प सम्मिलित थी। जिसका उद्देश्य तकनीकी रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से समावेशी तथा अनुसंधान-उन्मुख राष्ट्रीय ज्ञान परिदृश्य का निर्माण करना है। ओपन पब्लिशिंग फ्रेमवर्क को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, केंद्र ने तिरुपति में आयोजित 7वां भारतीय विज्ञान सम्मेलन में भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शामिका रवि की अध्यक्षता में आयोजित पूर्ण सत्रीय गोलमेज चर्चा के दौरान केंद्र के 'ओपन साइंस प्लेटफॉर्म' का सफल डेमोंस्ट्रेशन किया गया।

तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में हमारी सतत प्रयासों के अंतर्गत, केंद्र द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी की अध्यक्षता में आयोजित एक संयुक्त यूजीसी-इन्फ्लिबनेट केंद्र वेबिनार के माध्यम से आधिकारिक तौर पर दो नए वेब एप्लिकेशन पेश किए गए । ये एप्लिकेशन थे -"शोधप्रभा: भारतीय पेटेंट का शैक्षणिक भंडार" और "इन्फीमीट: सम्मेलन/कार्यशाला घोषणा मंच" । हमें विश्वास है कि ये मंच देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में भारतीय नवाचारों एवं शैक्षणिक गतिविधियों की दृश्यता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी।

इस अवधि के दौरान, राष्ट्रीय ई.टी.डी रिपोजिटरी 'शोधगंगा' ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की ,जिसमें कुल 6,47,708 पूर्ण-पाठ शोध-प्रबंध उपलब्ध हैं, जिनमें 18,738 शोध प्रबंध केवल इसी तिमाही में जोड़े गए । उपयोगकर्ताओं को बेहतर और सुचारू अनुभव प्रदान करने के लिए, हमारी तकनीकी टीम वर्तमान में इस प्लेटफॉर्म को बेहतर डेमोंस्ट्रेशन वाले एक अपग्रेडेड वर्जन पर स्थानांतरित कर रही है। इसके अतिरिक्त, शोधगंगा पर उपलब्ध विद्वत्तापूर्ण कार्यों में भाषाई बाधाओं को दूर करने के लिए इसमें **'अनुवादिनी'** कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित अनुवाद उपकरण को एकीकृत किया गया है। साथ ही, 'विद्वान' (VIDWAN) और 'आई.आर.आई.एन.एस.' ने

भी नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है, जहाँ विद्वान पर अब तक 3,42,508 से अधिक विशेषज्ञ संकाय प्रोफाइल उपलब्ध हैं, जो भारत में अनुसंधान नेटवर्क मानचित्रण के लिए एक सुदृढ़ आधार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, केंद्र ने इस अवधि के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं तथा वेबिनारों की श्रृंखला के माध्यम से संस्थागत क्षमताओं को सुदृढ़ करने के अपने प्रयास जारी रखे। इस तिमाही के दौरान चार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनमें "सोल 3.0: इंस्टालेशन और ऑपरेशंस" पर नियमित कार्यक्रम, सी.सी.आर.एच. के वैज्ञानिकों के लिए 'बिब्लियोमेट्रिक्स और रिसर्च आउटपुट एनालिसिस' पर दो तीन-दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं, और 'बिब्लियोमेट्रिक्स और रिसर्च आउटपुट एनालिसिस' पर एक पांच-दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल है।

इसके अतिरिक्त, केंद्र ने श्रीनगर स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय के अल्लामा इकबाल पुस्तकालय के सहयोग से इन्फ्लिबनेट केंद्र में "इनफ्लिबनेट: विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं" विषय पर एक दो-दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक निष्पादन किया। केंद्र द्वारा पांच ऑफलाइन संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विद्वान-आई.आर.आई.एन.एस. पर पाँच वेबिनार भी आयोजित किए गए। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने शोध-चक्र पर तीस (30) संस्थागत ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, आई.एल.एम.एस. पर एक कार्यक्रम, और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर सात ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

इस तिमाही का एक प्रमुख केंद्र बिंदु एक राष्ट्र एक सदस्यता पहल रही। इस दौरान ओ.एन.ओ.एस. और इन्फ्लिबनेट गतिविधियों पर पांच-दिवसीय ऑफलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, कॉलेज प्रशासन में ओ.एन.ओ.एस. और ई-संसाधनों तक पहुंच सहित विभिन्न विषयों पर 08 वेबिनार, और प्रकाशकों के साथ तीन सहयोगात्मक वेबिनार आयोजित कर इसकी राष्ट्रीय पहुँच को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

यह अंक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आउटरीच पहलों को भी रेखांकित करता है, जिसमें छत्तीसगढ़ सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, इन्फ्लिबनेट केंद्र और छत्तीसगढ़ के राजकीय विश्वविद्यालयों के बीच संपन्न त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन शामिल है।

ये सभी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हमारे हितधारकों, हमारे वित्तपोषक निकायों के अटूट विश्वास और इन्फ्लिबनेट के सभी कर्मचारियों के अथक परिश्रम व समर्पण से ही संभव हो पाई हैं। मुझे पूर्ण आशा है कि यह अंक हमारे पाठकों को केंद्र की गतिविधियों, उपलब्धियों और भारत के लिए अधिक सुदृढ़, परस्पर संबद्ध एवं समतामूलक ज्ञान पारितंत्र के निर्माण के चल रहे प्रयासों का एक सार्थक परिचय प्रदान करेगा।

धन्यवाद!

प्रो. देविका पी. माडल्ली

निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र

इन्फ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशालाएं / वेबिनार

इन्फ्लिबनेट केन्द्र देश भर के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों - जिनमें हितधारक हितधारक, संकाय सदस्य, अनुसंधान प्रशासक, शोधार्थी, विद्यार्थी तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु नियमित रूप से ऑफलाइन/ऑनलाइन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं वेबिनारों का आयोजन करता है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:-

इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में 17 से 21 नवंबर 2025 तक " सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और ऑपरेशन" पर आयोजित 179वाँ पाँच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सोल 3.0: इंस्टॉलेशन और ऑपरेशन्स" पर 179वाँ पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 21 नवंबर 2025 तक इन्फ्लिबनेट केन्द्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) द्वारा किया गया। श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.) ने प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा एवं उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम में श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.)ने पाठ्यक्रम समन्वयक तथा श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (कम्प्यूटर विज्ञान) ने संयुक्त समन्वयक के रूप में दायित्वों का निर्वहन किया। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों के लाभ के लिए गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षणिक दौरे का भी आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न संस्थानों से कुल 13 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

समापन सत्र में श्री यात्रीक पटेल, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केन्द्र ने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा सोल से संबंधित अपने बहुमूल्य अनुभवों एवं विचारों को साझा किया। इसके साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए डॉ. एच. जी. होसमनी, सलाहकार (पुस्तकालय विज्ञान) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इन्फ्लिबनेट केन्द्र के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नलिखित है :

क्र. सं.	विषय	विषय विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. एच. जी. होसामनी, सलाहकार (एल.एस.)
2	प्रशासन (एडमिनिस्ट्रेशन) मॉड्यूल	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
3	प्रसूचीकरण (कैटलॉग) मॉड्यूल	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
4	परिसंचरण (सर्कुलेशन) मॉड्यूल	श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)
5	अधिग्रहण (एक्विजिशन) मॉड्यूल	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
6	क्रमिक नियंत्रण (सीरियल कंट्रोल) मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एसटीओ-I (एल.एस.)
7	सोल 3.0 इंस्टॉलेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
8	सोल 3.0 वेब ओपैक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-डी (सी.एस.)
9	सभी मॉड्यूल्स का व्यावहारिक अभ्यास	श्री विराज पारेख, पुस्तकालय अधिकारी (एल.एस.) श्री राजन पांडे, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.) सुश्री शिजना, पुस्तकालय सहयोगी (एल.एस.)

		श्री सतीश कुमार, पुस्तकालय सहयोगी(एल.एस.)

चित्र-1: प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की कुछ झलकियाँ

सी.सी.आर.एच. , तिरुपति के वैज्ञानिकों हेतु "बिब्लियोमेट्रिक्स एवं अनुसंधान निष्पादन **विश्लेषण**" विषय पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला (19–21 नवम्बर 2025)

'बिब्लियोमेट्रिक्स एवं अनुसंधान निष्पादन **विश्लेषण**' विषय पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 19 से 21 नवम्बर 2025 तक तिरुपति, आंध्र प्रदेश में किया गया। यह इस श्रृंखला के अंतर्गत नियोजित प्रथम कार्यक्रम था। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में इन्फ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक प्रो. देविका पी. मडाल्ली द्वारा किया गया। कार्यशाला में 13 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) की विभिन्न प्रयोगशालाओं से कुल 33 वैज्ञानिकों ने सहभागिता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत इन्फ्लिबनेट केन्द्र के संकाय सदस्यों तथा आमंत्रित विषय-विशेषज्ञ व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नलिखित है :

क्र. सं.	विषय	विषय-विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2	अनुसंधान प्रभाव मापदण्ड : गणना एवं परिप्रेक्ष्य	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
3	वेब ऑफ साइंस में उन्नत खोज तकनीकें – डेमोंस्ट्रेशन	क्लैरिवेट टीम

4	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण/अभ्यास	क्लैरिवेट टीम द्वारा व्यावहारिक सत्र
5	स्कोपस में उन्नत खोज तकनीकें – डेमोंस्ट्रेशन	एल्सेवियर-स्कोपस टीम
6.	स्कोपस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	एल्सेवियर-स्कोपस टीम द्वारा प्रायोगिक प्रशिक्षण
7.	उद्धरण विश्लेषण से आगे: ऑल्टमेट्रिक्स	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
8.	बिब्लियोशाइनी: ग्रंथसूचीमितीय विश्लेषण हेतु आर (R) आधारित जी.यू.आई. का डेमोंस्ट्रेशन	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
9.	बिब्लियोशाइनी: ग्रंथसूचीमितीय विश्लेषण हेतु आर (R) आधारित जी.यू.आई. (व्यावहारिक सत्र)	प्रायोगिक अभ्यास – श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)
10.	ओ.आर.सी.आई.डी. (ORCID) के संदर्भ में अकादमिक पहचान	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
11.	वी.ओ.एस. व्यूअर (VOS Viewer) का उपयोग कर उन्नत उद्धरण विश्लेषण एवं दृश्यांकन	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
12.	भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
13.	संदर्भ प्रबंधन उपकरण	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

चित्र-2: प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

बिब्लियोमेट्रिक्स एवं रिसर्च आउटपुट एनालिसिस' (ग्रंथमिति एवं अनुसंधान उत्पाद विश्लेषण) पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला

इस श्रृंखला के दूसरे कार्यक्रम के रूप में, 'बिब्लियोमेट्रिक्स एवं रिसर्च आउटपुट एनालिसिस' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 26 से 28 नवंबर, 2025 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित की गई। कार्यक्रम का

उद्घाटन केंद्र की प्रशिक्षण प्रयोगशाला में श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एच.) की देश भर की प्रयोगशालाओं से कुल 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया, जिन्होंने 13 राज्यों का प्रतिनिधित्व किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय सदस्यों (फ़ैकल्टी) और विषय-विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम सं.	**विषय**	**विषय-विशेषज्ञ**
1	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ एवं सेवाएँ	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)
2	अनुसंधान प्रभाव मीट्रिक्स: गणना और संदर्भ	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
3	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (डेमोंस्ट्रेशन)	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)
4	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.
5	ओ.एन.ओ.एस. : एक राष्ट्र, एक सदस्यता	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
6	स्कोपस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	सुश्री शीना एन. वॉरियर, एल्सेवियर
7	स्कोपस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	प्रायोगिक अभ्यास – सुश्री शीना एन. वॉरियर, एल्सेवियर डॉ. रोमा असनानी
8	उद्धरण विश्लेषण से आगे: ऑल्टमेट्रिक्स	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
9	बिब्लियोशाइनी: ग्रंथमितीय विश्लेषण हेतु आर (R) आधारित जी.यू.आई. (डेमोंस्ट्रेशन)	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
10	बिब्लियोशाइनी: ग्रंथमितीय विश्लेषण हेतु आर (R) आधारित जी.यू.आई. (व्यावहारिक सत्र)	प्रायोगिक अभ्यास – श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक -सी (सी.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)
11	वी.ओ.एस. व्यूअर (VOS Viewer) का उपयोग कर उन्नत उद्धरण विश्लेषण एवं दृश्यांकन	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

12	वी.ओ.एस. व्यूअर (VOS Viewer) का उपयोग कर उन्नत उद्धरण विश्लेषण एवं दृश्यांकन (व्यावहारिक सत्र)	प्रायोगिक अभ्यास – श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)
13	अनुसंधान प्रकाशन नैतिकता	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ. (सी.एस.)
14	ओ.आर.सी.आई.डी. (ORCID ID) के संदर्भ में अकादमिक पहचान	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)
15	आई.आर.आई.एन.एस.(IRINS): भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)
16	संदर्भ प्रबंधन उपकरण	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

चित्र-3: प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की कुछ झलकियाँ

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में 1 से 5 दिसंबर, 2025 तक आयोजित "बिब्लियोमेट्रिक्स एवं रिसर्च आउटपुट एनालिसिस" (ग्रंथमिति एवं अनुसंधान उत्पाद विश्लेषण) पर पाँच दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम

बिब्लियोमेट्रिक्स एवं रिसर्च आउटपुट एनालिसिस" (ग्रंथमिति एवं अनुसंधान उत्पाद विश्लेषण) पर पांच दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 से 5 दिसंबर, 2025 तक इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. ने किया। इसके साथ ही वैज्ञानिक-बी श्रीमती हेमा वी. चोलिन ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उद्घाटन सत्र की कमान संभाली। वहीं, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) डॉ. कृति त्रिवेदी ने प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्यों और इसकी रूपरेखा पर प्रकाश डाला, साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को पूरे सत्र के दौरान पूरे उत्साह के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया। इस विशेष आयोजन में आई.आई.टी. दिल्ली के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहित गर्ग बतौर विषय-विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्होंने अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यानों और व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) सत्रों के ज़रिए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इस पूरे प्रशिक्षण का मुख्य मकसद प्रतिभागियों को बिब्लियोमेट्रिक पद्धतियों, डेटा सोर्सेज, डेटा प्रोसेसिंग और इसके एनालिसिस व मैपिंग से जुड़े हर बारीक पहलू की व्यावहारिक समझ देना था। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में कुल 31 प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र के संकाय सदस्यों तथा **विषय-विशेषज्ञ** द्वारा सत्रवार प्रस्तुत व्याख्यानों का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम सं.	विषय	विषय-विशेषज्ञ
1	इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ	श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)
2	अनुसंधान प्रभाव मीट्रिक्स: गणना और संदर्भ	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
3	वेब ऑफ साइंस और इनसाइट्स का परिचय	डॉ. सुभाश्री नाग, क्लेरीवेट एनालिटिक्स
4	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
6	वेब ऑफ साइंस की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	व्यावहारिक अभ्यास टीम
7	स्कोपस (Scopus) की उन्नत खोज तकनीकें (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
8	स्कोपस (Scopus) की उन्नत खोज तकनीकें (व्यावहारिक सत्र)	व्यावहारिक अभ्यास टीम
9	डायमेंशन और आल्टमेट्रिक्स का परिचय – डेमोंस्ट्रेशन	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
10	बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेज: वर्णनात्मक विश्लेषण (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. मोहित गर्ग, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. दिल्ली
12	बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेज: वर्णनात्मक विश्लेषण (व्यावहारिक सत्र)	व्यावहारिक अभ्यास टीम
13	बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेज: नेटवर्क विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. मोहित गर्ग,सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. दिल्ली
14	बिब्लियोमेट्रिक्स आर पैकेज: नेटवर्क विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन (व्यावहारिक सत्र)	Hands-on Practice Team
15	टेक्स्ट माइनिंग और टॉपिक मॉडलिंग (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. मोहित गर्ग, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. दिल्ली
16	टेक्स्ट माइनिंग और टॉपिक मॉडलिंग (व्यावहारिक सत्र)	डॉ. मोहित गर्ग, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. दिल्ली
17	स्कोपस, स्कोपस एआई और साईवैल (SciVal)	डॉ. शुभ्रा दत्ता, एल्सेवियर
18	ओपन डेटा का उपयोग करके बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण – डेमोंस्ट्रेशन	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)

19	वीओएस व्यूअर वेब संस्करण के उपयोग से उन्नत साइटेशन विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन (सैद्धांतिक सत्र)	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)
20	वीओएस व्यूअर वेब संस्करण के उपयोग से उन्नत साइटेशन विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन मॉडलिंग (व्यावहारिक सत्र)	व्यावहारिक अभ्यास टीम
21	ओ.आर.सी.आई.डी. के संदर्भ में शैक्षणिक पहचान	डॉ. पी. कण्णन, पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी गांधीनगर
22	विश्वविद्यालय अनुसंधान प्रदर्शन के बिब्लियोमेट्रिक संकेतक और रैंकिंग	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)

चित्र-4: प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की कुछ झलकियाँ

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन (वैलेडिक्टरी) सत्र 5 दिसंबर, 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें कई प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को लेकर अपने अनुभव और विचार साझा किए। समापन सत्र का संचालन वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) श्रीमती हेमा वी. चोलिन ने किया। इस विशेष अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) श्री मनोज कुमार के. ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक व वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) डॉ. कृति त्रिवेदी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इन्फ्लिबनेट केंद्र तथा कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर के अल्लामा इक़बाल पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में "इन्फ्लिबनेट : विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन, सेवाएँ एवं सुविधाएँ" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला, 8 से 9 दिसंबर, 2025।

इन्फ्लिबनेट केंद्र ने अल्लामा इकबाल पुस्तकालय, कश्मीर विश्वविद्यालय (श्रीनगर) के सहयोग से 8 और 9 दिसंबर 2025 को कश्मीर विश्वविद्यालय में "इन्फ्लिबनेट: विश्वविद्यालयों के लिए संसाधन, सेवाएं और सुविधाएं" विषय

पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला शैक्षणिक संस्थानों में उच्च शिक्षा और अनुसंधान (रिसर्च) को सहयोग प्रदान करने तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए विकसित किया गया है।

दो दिनों की इस अवधि के दौरान कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इनमें उच्च शिक्षा के लिए इन्फ्लिबनेट की सेवाएं, अनुसंधान की दृश्यता (विजिबिलिटी) बढ़ाने के लिए 'विद्वान' तथा ' **आई.आर.आई.एन.एस.**' (IRINS), ओ.आर.सी.आई.डी. (ORCID) एकीकरण, सूचना साक्षरता (इनफार्मेशन लिटरेसी), मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER), डिजिटल रिपोजिटरी के लिए 'डीस्पेस' (DSpace), साहित्यिक चोरी (प्लेजियरिज़्म) से जुड़ी नीतियां, ' एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) और स्कोपस (Scopus) सहित ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। इन्फ्लिबनेट केंद्र की ओर से श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक-सी (कंप्यूटर विज्ञान) तथा श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) मुख्य विषय- विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

इस कार्यशाला को लेकर भारी उत्साह देखा गया, जिसमें विश्वविद्यालय के लगभग 120 संकाय सदस्यों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक साझा करने तथा प्रमाण-पत्र वितरण के साथ आयोजित समापन सत्र में हुआ।

चित्र-5: प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

‘एक राष्ट्र एक सदस्यता’ (ओ.एन.ओ.एस.) पर जागरूकता कार्यक्रम

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केन्द्र ने ‘एक राष्ट्र एक सदस्यता’ (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत विभिन्न राज्यों में ऑफ़लाइन जागरूकता कार्यक्रमों एवं वेबिनारों का आयोजन किया। साथ ही, प्रकाशकों के सहयोग से ओ.एन.ओ.एस. कॉलेज एडमिनिस्ट्रेटर तथा ओ.एन.ओ.एस. एक्सेस विषयों पर सहयोगात्मक वेबिनार भी आयोजित किए गए। इन पहलों के माध्यम से ओ.एन.ओ.एस. देशभर में जागरूकता बढ़ाने, उपयोगकर्ताओं के कौशल विकास करने तथा डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों के प्रभावी एवं कुशल उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

ओ.एन.ओ.एस. और इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (ऑफ़लाइन)

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, इन्फ्लिबनेट केन्द्र ने ‘**एक राष्ट्र एक सदस्यता**’ (ओ.एन.ओ.एस.) एवं इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों पर पाँच (05) ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्रम सं.	संस्थान/विश्वविद्यालय का नाम	विषय-विशेषज्ञ के नाम	प्रशिक्षण की तिथि	प्रशिक्षण का माध्यम	प्रतिभागियों की संख्या
1	पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) , तथा श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	09-12-2025	ऑफलाइन	489
2	ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (ल.न.मि.वि.), दरभंगा, बिहार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), तथा श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)	17-12-2025	ऑफलाइन	185
3	चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (चं.प्र.सं.प), बिहार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.), तथा श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.)	18-12-2025	ऑफलाइन	361
4	पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.), और श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	19-12-2025	ऑफलाइन	127
5	श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, सोमनाथ, गुजरात	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), श्री धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.), श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.), और डॉ. रोमा असनानी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (एल.एस.)	22-12-2025	ऑफलाइन	65
				कुल प्रतिभागी	**1227**

1. इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान से दिनांक 9 दिसंबर, 2025 को "ओ.एन.ओ.एस. एवं इन्फ्लिबनेट सेवाएं" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली विशिष्ट आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं, जिन्होंने ओ.एन.ओ.एस. के प्राथमिक उद्देश्यों पर मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम को अभूतपूर्व सफलता मिली, जिसमें संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से 489 संकाय सदस्यों व शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।
2. इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से बिहार के राजकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) तथा इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 17 दिसंबर 2025

को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय (ल.न.मि.वि.), दरभंगा में आयोजित किया गया। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक प्रो. (डॉ.) एन. के. अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम को बिहार भर के उच्च शिक्षण संस्थानों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 185 प्रतिभागियों ने भाग लिए।

3. इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने उच्च शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से 18 दिसंबर 2025 को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना, बिहार (चं. प्र. सं. प.) में बिहार के राजकीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए 'राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) तथा इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर दूसरे उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। बिहार सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के माननीय मंत्री श्री सुनील कुमार ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी. मदल्ली ने ओ.एन.ओ.एस. के मुख्य उद्देश्यों पर एक विशेष व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान, ओ.एन.ओ.एस. की रूपरेखा और पुस्तकालय स्वचालन (लाइब्रेरी ऑटोमेशन) को आगे बढ़ाने, अनुसंधान की दृश्यता (रिसर्च विजिबिलिटी) बढ़ाने तथा डिजिटल शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में इन्फ्लिबनेट सेवाओं की भूमिका पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम को बिहार भर के उच्च शिक्षण संस्थानों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 361 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी के सहयोग से 19 दिसंबर 2025 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी में 'एक राष्ट्र एक सदस्यता' (ओ.एन.ओ.एस.) तथा इन्फ्लिबनेट सेवाओं पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली ने ओ.एन.ओ.एस. के प्राथमिक उद्देश्यों पर मुख्य व्याख्यान (कीनोट एड्रेस) दिया। जिस में कुल 127 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
5. इन्फ्लिबनेट केंद्र ने श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (एस.एस.एस.यू.), वेरावल के सहयोग से 22–23 दिसम्बर 2025 को विश्वविद्यालय परिसर, सोमनाथ (गुजरात) में "इन्फ्लिबनेट गतिविधियाँ एवं सेवाएँ" विषय पर दो-दिवसीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। आयोजित संगोष्ठी का उद्घाटन श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सुकांत कुमार सेनापति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया, जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन कार्यक्रम में श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्ति और इन्फ्लिबनेट केंद्र के विषय-विशेषज्ञ उपस्थित थे , जिसमें संपूर्ण गुजरात के विभिन्न भागों से पधारे प्रतिभागियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस संगोष्ठी में "एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) योजना तथा इन्फ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक एवं सूचना सेवाओं के क्षेत्र में ज्ञान-साझाकरण को प्रोत्साहित करना था।

चित्र–6 : श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (एस.एस.एस.यू.), सोमनाथ में आयोजित ओ.एन.ओ.एस. प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ।

ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (वेबिनार)

प्रतिवेदित अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा "एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) पहल के अंतर्गत कॉलेज प्रशासन तथा ई-संसाधनों तक पहुँच सहित विभिन्न विषयों पर 08 वेबिनार आयोजित किए गए।

क्रम. सं.	दिनांक	सत्र (विषय)	विषय-विशेषज्ञ के नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	31-10-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत ई-संसाधनों तक पहुँच कैसे प्राप्त करें	वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	300
2	07-11-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) : संस्थागत प्रशासन एवं पहुँच	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	325
3	14-11-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत ई-संसाधनों तक पहुँच कैसे प्राप्त करें	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं श्रीमती रोशनी यादव, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	913
4	21-11-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) : संस्थागत प्रशासन एवं पहुँच	श्रीमती रोशनी यादव, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	293
5	28-11-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत ई-संसाधनों तक पहुँच कैसे प्राप्त करें	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	737
6	5-12-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) : संस्थागत प्रशासन एवं पहुँच	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	326

7	12-12-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) के अंतर्गत ई-संसाधनों तक पहुँच कैसे प्राप्त करें	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	166
8	19-12-2025	"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.) : संस्थागत प्रशासन एवं पहुँच	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस.) एवं डॉ. रोमा असनानी, एस.टी.ओ. (एल.एस.)	145
			कुल प्रतिभागी	**3205**

ओ.एन.ओ.एस. पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम (प्रकाशकों के सहयोग से आयोजित संयुक्त वेबिनार)

इसके अतिरिक्त, उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा प्रकाशकों के सहयोग से निम्नलिखित तीन (03) संयुक्त जागरूकता वेबिनार आयोजित किए।

क्र. सं.	**कार्यक्रम का विवरण**	**दिनांक**
1	**प्रोजेक्ट म्यूज़ (Project MUSE)** के सहयोग से **"एक राष्ट्र एक सदस्यता" (ओ.एन.ओ.एस.)** पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम	07-10-2025
2	**ओ.एन.ओ.एस.** के अंतर्गत **ए.एस.सी.ई. (ASCE)** द्वारा लेखकों हेतु कार्यशाला	12-12-2025
3	**ओ.एन.ओ.एस.** के अंतर्गत **ए.सी.एम. (ACM)** द्वारा लेखकों हेतु कार्यशाला	24-12-2025

भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर. आई.एन.एस.) पर उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा विद्वान–आई.आर.आई.एन.एस. पर निम्नलिखित पाँच (05) ऑफ़लाइन संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्रम. सं.	**संस्थान का नाम**	**प्रशिक्षण की तिथि**	**विशेषज्ञों के नाम**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1	दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	11-10-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) एवं श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	130
2	केंद्रीय दक्षिण बिहार विश्वविद्यालय	13-10-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) एवं श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	106
3	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,	14-10-2025	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी	96

	राउरकेला		(एल.एस.) एवं श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	
4	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	14-10-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) एवं श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)	200
5	भरतिदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली	24-10-2025	डॉ. कन्नन पी., पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. गांधीनगर एवं श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	207
			कुल प्रतिभागी	**739**

इसके अतिरिक्त, प्रतिवेदिता अवधि के दौरान, केंद्र द्वारा विद्वान -आई.आर.आई.एन.एस. (VIDWAN-IRINS) पर निम्नलिखित छह (06) वेबिनार आयोजित किए गए।

क्रंम सं.	**संस्थान/वेबिनार का विवरण**	**प्रशिक्षण की तिथि**	**विषय-विशेषज्ञों के नाम**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार”	10-10-2025	डॉ. कन्नन पी., पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. गांधीनगर एवं श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	200
2	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार	17-10-2025	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) एवं श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	160
3	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार”	24-10-2025	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) एवं श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	150
4	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार”	31-10-2025	डॉ. कन्नन पी., पुस्तकालयाध्यक्ष, आई.आई.टी. गांधीनगर एवं श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	151
5	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के	07-11-2025	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) एवं श्री	167

	माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार”		राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	
6	विद्वान एवं आई.आर.आई.एन.एस. के माध्यम से अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाना" विषय पर वेबिनार”	14-11-2025	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) एवं श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)	135
			कुल प्रतिभागी	**963**

शोध-चक्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम : शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश-द्वार

प्रतिवेदित अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा शोध-चक्र पर 30 ऑनलाइन संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

क्रंम सं.	संस्थान का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विषय	इन्फ्लिबनेट के विषय-विशेषज्ञ	प्रतिभागियों की संख्या
1	केरल कलामण्डलम कला एवं संस्कृति मानित विश्वविद्यालय	08-10-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	30
2	प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय	09-10-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	35
3	असम डॉन बॉस्को विश्वविद्यालय	10-10-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	4
4	'राष्ट्रीय निर्माण प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान (निकमार) विश्वविद्यालय'	14-10-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	7
5	भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विधिक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय	15-10-2025	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	23
6	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	10-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	19
7	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद	13-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	5

8	मल्ला रेड्डी विश्व विद्यापीठ	18-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	29
9	दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	21-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	24
10	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	26-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. सना असलम और सुश्री वैष्णवी इंगले	13
11	नागालैंड विश्वविद्यालय	27-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	2
12	भारतीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान	28-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	44
13	शोधार्थियों एवं शोध-निर्देशकों हेतु प्रशिक्षण	28-11-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. सना असलम और सुश्री वैष्णवी इंगले	2
14	रैफल्स विश्वविद्यालय	01-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	सुश्री वैष्णवी इंगले	4
15	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	03-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. सना असलम और सुश्री वैष्णवी इंगले	11
16	शोधार्थियों एवं शोध-निर्देशकों हेतु प्रशिक्षण	05-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम और सुश्री वैष्णवी इंगले	48
17	शिवाजीराव कदम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट	06-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	28
18	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	10-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम और सुश्री वैष्णवी इंगले	42
19	श्री बालाजी विश्वविद्यालय	11-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	7
20	शोधार्थियों एवं शोध-निर्देशकों हेतु प्रशिक्षण	12-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	53
21	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय	17-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) एवं डॉ. सना असलम	24

22	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	17-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	31
23	प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय	18-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	4
24	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	19-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	44
25	शोधार्थियों एवं शोध-निर्देशकों हेतु प्रशिक्षण	19-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	45
26	कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय	23-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	35
27	प्लक्षा विश्वविद्यालय	24-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. नवनीत कुमार, वैज्ञानिक-बी (एल.एस.) एवं डॉ. सना असलम	22
28	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	24-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	6
29	शोधार्थियों एवं शोध-निर्देशकों हेतु प्रशिक्षण	26-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	21
30	नोडल अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण	31-12-25	शोध-चक्र प्रशिक्षण एवं जागरूकता सत्र	डॉ. सना असलम	7
				कुल प्रतिभागी	**669**

इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधि के दौरान इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा इन्फ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आई.एल.एम.एस.) पर एक (01) ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

क्रम सं.	**विश्वविद्यालय का नाम**	**प्रशिक्षण की तिथि**	**विषय-विशेषज्ञों के नाम**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1	एटलस स्किलटेक विश्वविद्यालय, मुंबई	06-10-2025	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) एवं श्री अरशद रफ़ीक़ ख़ान	20

उभयलिंगी/ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधि के दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एन.आई.एस.डी.) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग द्वारा इन्फ्लिबनेट केंद्र के माध्यम से जिला मजिस्ट्रेटों/जिलाधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर सात (07) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के संचालन के संबंध में संवेदनशील बनाना तथा ट्रांसजेंडर (टी.जी.) प्रमाण-पत्र एवं पहचान-पत्र जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं एवं तकनीकी समस्याओं का समाधान करना था। वर्तमान में टी.जी. पोर्टल का प्रबंधन राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एन.आई.सी.) को हस्तांतरित कर दिया गया है।

क्रम सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	दिनांक	विषय-विशेषज्ञों के नाम	प्रतिभागियों की संख्या
1	राजस्थान	14-10-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	51
2	उत्तर प्रदेश	17-10-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	24
3	केरलम	31-10-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	27
4	जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख	04-11-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	15
5	दिल्ली	11-11-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	34
6	लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा मेघालय	18-11-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	14
7	कर्नाटक	21-11-2025	सुश्री वैशणवी इंगले	39
			कुल प्रतिभागी	**204**

नई परियोजनाएँ/गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) तथा इन्फ्लिबनेट केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वेबिनार, जिसकी अध्यक्षता यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी ने की, के दौरान इन्फ्लिबनेट केन्द्र की प्रो. देविका पी. माडल्ली ने दो नए वेब अनुप्रयोगों - "शोधप्रभा: भारतीय पेटेंटों का शैक्षणिक रिपॉजिटरी" तथा "इन्फीमीट (InfyMEET): सम्मेलन/कार्यशाला घोषणा मंच" - का परिचय कराया।

इन्फ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

विद्वान (VIDWAN), भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस.-IRINS), शेरनी (SheRNI) तथा लिब-वाहिनी (LIB-VAHINI)

विद्वान (VIDWAN) डेटाबेस में प्रतिवेदित अवधि तक 3,42,508 से अधिक संकाय सदस्यों की विस्तृत प्रोफ़ाइल उपलब्ध हैं। आई.आर.आई.एन.एस. , इन्फ्लिबनेट केन्द्र द्वारा भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों को प्रदान की जाने वाली वेब-आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन सेवा है। जो शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों तथा वैज्ञानिकों को अपने विद्वतापूर्ण संचार संबंधी गतिविधियों का संकलन, क्यूरेशन (Curation) तथा प्रदर्शन करने में सहायता प्रदान करने के साथ -साथ एक विद्वतापूर्ण नेटवर्क विकसित करने का अवसर भी उपलब्ध कराता है। प्रतिवेदित अवधि तक

इन्फ्लिबनेट केन्द्र द्वारा विभिन्न संस्थानों के लिए 1,830 आई.आर.आई.एन.एस. इंस्टेंस स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से 110 इंस्टेंस प्रतिवेदन अवधि के दौरान स्थापित किए गए। इस परियोजना के माध्यम से 2,70,391 संकाय सदस्य आई.आर.आई.एन.एस. से जुड़े हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न स्रोतों से 36.97 लाख से अधिक (36,97,961) प्रकाशनों का मेटाडेटा प्राप्त किया गया तथा 383 लाख से अधिक (3,83,44,604) उद्धरण (Citations) प्राप्त हुए।

'शेरनी' (SheRNI: She Research Network in India) एक विशेषज्ञ-प्रोफाइल नेटवर्क है, जो विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को आपस में जोड़ता है तथा उसका लाभ उठाता है। वर्तमान में इस नेटवर्क पर 1,20,000 से अधिक महिला विशेषज्ञों के प्रोफाइल उपलब्ध हैं।

लिब-वाहिनी (LIB-VAHINI), पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान – (LIS) विशेषज्ञों के लिए समर्पित एक डिजिटल मंच है। जिसमें प्रतिवेदित अवधि तक **3,000** से अधिक पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (LIS) विशेषज्ञ जुड़े हुए हैं।

शोध-चक्र: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश-द्वार

शोध-चक्र यूजीसी के मार्गदर्शन में इन्फ्लिबनेट केन्द्र की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य शोधकर्ताओं को उनके संपूर्ण शोध यात्रा के दौरान शैक्षणिक समुदाय को सहयोग प्रदान करना है। शोध-चक्र शोधकर्ताओं, उनके गाइड/पर्यवेक्षकों और विश्वविद्यालयों को एक ऐसा साझा मंच उपलब्ध कराता है जहाँ वे किसी शोधार्थी के पूरे शोध सफर का कुशल प्रबंधन कर सकें। यह पोर्टल पूर्ण-पाठ शोधप्रबंधों सहित लाखों संसाधनों को एकीकृत करता है तथा शोध प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक उपकरण एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराता है।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान यूजीसी एवं इन्फ्लिबनेट केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी ने की। इस बैठक में इन्फ्लिबनेट केन्द्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली, यूजीसी के अन्य अधिकारियों सहित देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति/कुलसचिव, संकायाध्यक्ष (डीन - शोध) तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के निदेशक/समन्वयक सहित 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

चित्र-7: शोध-चक्र पर आयोजित संयुक्त ऑनलाइन बैठक की कुछ झलकियाँ

प्रतिवेदित अवधि की समाप्ति तक शोध-चक्र के उपयोग हेतु कुल 349 विश्वविद्यालयों ने इन्फ्लिबनेट केन्द्र के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से 119 विश्वविद्यालयों ने प्रतिवेदित अवधि के दौरान एमओयू निष्पादित किया। उन 119 विश्वविद्यालयों का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:

क्रम सं.	संस्थान का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि	इन्फ्लिबनेट द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर की तिथि
1	कौशल्या- द स्किल यूनिवर्सिटी	04-10-2025	20-10-2025
2	बरेली अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय	27-09-2025	20-10-2025
3	श्री गुरु राम दास स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय	08-10-2025	20-10-2025
4	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	08-10-2025	20-10-2025
5	लिंगयाज़ विद्यापीठ	07-10-2025	23-10-2025
6	द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी	03-10-2025	20-10-2025
7	आई.आई.एल.एम. विश्वविद्यालय	18-09-2025	20-10-2025
8	शार्णबसवा विश्वविद्यालय	20-09-2025	20-10-2025
9	जैन विश्व भारती संस्थान	30-09-2025	20-10-2025
10	श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी	26-09-2025	20-10-2025
11	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय	18-09-2025	20-10-2025
12	महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय	27-09-2025	20-10-2025
13	मोहन बाबू विश्वविद्यालय	18-09-2025	20-10-2025
14	अमिटी यूनिवर्सिटी बेंगलुरु	15-09-2025	20-10-2025
15	पोन्नाइयाह रामाजयम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	19-09-2025	20-10-2025
16	बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय	24-09-2025	20-10-2025
17	महात्मा गांधी चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	01-10-2025	20-10-2025
18	गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान	24-09-2025	20-10-2025
19	आदिचुंचनगिरी विश्वविद्यालय	11-09-2025	20-10-2025
20	एडमास विश्वविद्यालय	18-09-2025	20-10-2025
21	नूरुल इस्लाम सेंटर फॉर हायर एजुकेशन	15-09-2025	20-10-2025
22	एकेएस विश्वविद्यालय	22-09-2025	20-10-2025
23	चेट्टिनाड एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन	23-09-2025	20-10-2025
24	डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय	13-09-2025	20-10-2025
25	पी. वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय	29-09-2025	10-11-2025
26	जामिया मिल्लिया इस्लामिया	09-10-2025	10-11-2025
27	मणिपुर अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय	08-10-2025	31-10-2025

28	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद	22-10-2025	23-10-2025
29	हिंदुस्तान प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान	24-10-2025	31-10-2025
30	गोंडवाना विश्वविद्यालय	26-10-2025	20-10-2025
31	हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय	22-10-2025	15-10-2025
32	एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	08-10-2025	20-10-2025
33	सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय	01-10-2025	20-10-2025
34	श्री सिद्धार्थ उच्च शिक्षा अकादमी	13-10-2025	20-10-2025
35	अविनाशीलिंगम गृह विज्ञान एवं महिला उच्च शिक्षा संस्थान	26-09-2025	20-10-2025
36	देव भूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय	06-10-2025	20-10-2025
37	नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय	20-09-2025	20-10-2025
38	मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय	17-10-2025	20-10-2025
39	श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय	16-10-2025	20-10-2025
40	हेमचंद्रचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय	15-10-2025	23-10-2025
41	दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	13-10-2025	23-10-2025
42	पी.के. विश्वविद्यालय	13-10-2025	23-10-2025
43	सेंट जोसेफ यूनिवर्सिटी	13-10-2025	23-10-2025
44	आई.आई.एच.एम.आर. यूनिवर्सिटी	15-10-2025	23-10-2025
45	मल्ला रेड्डी विश्वविद्यापीठ	11-10-2025	20-10-2025
46	पं. सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय	24-10-2025	29-10-2025
47	कोनेरू लक्ष्मैया विश्वविद्यालय	14-10-2025	31-10-2025
48	संतोष विश्वविद्यालय	16-10-2025	31-10-2025
49	श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय	30-09-2025	03-11-2025
50	झारखंड राय यूनिवर्सिटी	11-10-2025	10-11-2025
51	नागालैंड विश्वविद्यालय	21-10-2025	10-11-2025
52	माधवदेव विश्वविद्यालय	16-09-2025	10-11-2025
53	एयूरो विश्वविद्यालय	15-09-2025	13-11-2025
54	राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय	11-11-2025	21-11-2025
55	श्रीनिवास विश्वविद्यालय	28-10-2025	13-11-2025
56	सरला बिड़ला विश्वविद्यालय	08-11-2025	13-11-2025
57	श्री रामासामी मेमोरियल विश्वविद्यालय	25-09-2025	13-11-2025
58	श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय	08-11-2025	21-11-2025
59	अजींक्या डी.वाई. पाटिल विश्वविद्यालय	11-11-2025	21-11-2025
60	एएसबीएम विश्वविद्यालय	07-11-2025	21-11-2025
61	डॉ. किरण एवं पल्लवी पटेल ग्लोबल यूनिवर्सिटी	12-11-2025	04-12-2025
62	दुर्गा सोरेन विश्वविद्यालय	14-11-2025	21-11-2025
63	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	16-10-2025	21-11-2025
64	कृष्ण कांता हंडिकि राज्य मुक्त विश्वविद्यालय	11-11-2025	25-11-2025

65	एमजीएम विश्वविद्यालय	13-11-2025	25-11-2025
66	लद्दाख विश्वविद्यालय	21-03-2025	21-11-2025
67	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय	27-11-2025	04-12-2025
68	आईएसबीएम विश्वविद्यालय	26-11-2025	10-12-2025
69	राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान	27-11-2025	22-12-2025
70	शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	28-11-2025	10-12-2025
71	तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय	28-11-2025	04-12-2025
72	डॉ. विश्वनाथ कराड एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी	29-11-2025	29-11-2025
73	डी. वाई. पाटिल विद्यापीठ	03-12-2025	10-12-2025
74	सेंट अलोयसियस	27-11-2025	04-12-2025
75	दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स	02-12-2025	10-12-2025
76	इन्वर्टिस विश्वविद्यालय	02-12-2025	16-12-2025
77	महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय	02-12-2025	10-12-2025
78	प्लक्षा विश्वविद्यालय	17-09-2025	10-12-2025
79	अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज	03-12-2025	10-12-2025
80	भगवान महावीर विश्वविद्यालय	01-12-2025	04-12-2025
81	गांधीनगर विश्वविद्यालय	08-10-2025	04-12-2025
82	जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान	04-12-2025	15-12-2025
83	स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी	05-12-2025	15-12-2025
84	ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी	28-11-2025	10-12-2025
85	द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश	28-11-2025	10-12-2025
86	रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय	03-12-2025	10-12-2025
87	जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी	04-12-2025	10-12-2025
88	कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय	01-12-2025	10-12-2025
89	टेरी स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज	04-12-2025	10-12-2025
90	संगम विश्वविद्यालय	27-11-2025	10-12-2025
91	सर पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय	01-12-2025	10-12-2025
92	डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय	01-12-2025	10-12-2025
93	इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट्स ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, देहरादून	03-12-2025	10-12-2025
94	सरदार बेअंत सिंह राज्य विश्वविद्यालय	03-12-2025	10-12-2025
95	विवेक विश्वविद्यालय	04-12-2025	10-12-2025
96	गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	01-12-2025	10-12-2025
97	केएलई उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी	04-12-2025	10-12-2025
98	राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़	26-11-2025	15-12-2025

99	वासिरेड्डी वेंकटद्रि इंटरनेशनल टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी	01-12-2025	15-12-2025
100	एएएफटी यूनिवर्सिटी	08-12-2025	15-12-2025
101	एपैक्स प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	03-12-2025	15-12-2025
102	डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय	06-12-2025	15-12-2025
103	जगन्नाथ विश्वविद्यालय, जयपुर	06-12-2025	15-12-2025
104	बहरा विश्वविद्यालय	04-12-2025	22-12-2025
105	महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय	06-12-2025	22-12-2025
106	मिज़ोरम विश्वविद्यालय	28-11-2025	22-12-2025
107	सीएमआर विश्वविद्यालय	09-12-2025	22-12-2025
108	कलकत्ता विश्वविद्यालय	20-08-2025	20-08-2025
109	संजीवनी विश्वविद्यालय	08-12-2025	22-12-2025
110	सिद्धार्थ उच्च शिक्षा अकादमी	15-12-2025	22-12-2025
111	स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान	06-12-2025	22-12-2025
112	केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय	05-12-2025	22-12-2025
113	केएन विश्वविद्यालय	23-12-2025	23-12-2025
114	अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025
115	हेमचंद यादव विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025
116	शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025
117	कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025
118	इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025
119	शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय	09-12-2025	09-12-2025

चित्र-8: शोध-चक्र हेतु गांधीनगर विश्वविद्यालय के साथ एमओयू हस्ताक्षर के अवसर की झलकियाँ

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन.)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, इन्फ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर द्वारा आई.एस.बी.एन. पोर्टल के तकनीकी रखरखाव के साथ-साथ पंजीकरण, आवेदन और आई.एस.बी.एन. के आवंटन सहित इसकी दैनिक गतिविधियों का प्रबंधन तथा निष्पादन किया जा रहा है। प्रतिवेदित अवधि (1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025) के दौरान, आई.एस.बी.एन. पोर्टल पर 5,277 हितधारकों (stakeholders) ने पंजीकरण कराया, जिसके अंतर्गत कुल 13,886 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें कुल 2,09,500 आई.एस.बी.एन. आवंटित किए गए।

आई.एल.एम.एस. (ILMS): इन्फ्लिबनेट शिक्षण प्रबंधन प्रणाली

प्रतिवेदित अवधि के दौरान निम्नलिखित दो संस्थानों में आई.एल.एम.एस. (इन्फ्लिबनेट शिक्षण प्रबंधन प्रणाली) की स्थापना का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया:

क्रम सं.	संस्थान का नाम	स्थापना की तिथि
1	एटलस स्किलटेक विश्वविद्यालय , मुंबई , महाराष्ट्र	03-10-2025
2	डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय	08-10-2025

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल (टी.जी. पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ हुए एक समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत, इन्फ्लिबनेट केंद्र ने ' ट्रांसजेंडर व्यक्तियों हेतु राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल देश भर के उभयलिंगी (ट्रांसजेंडर) व्यक्तियों को किसी भी कार्यालय में जाए बिना, कहीं से भी डिजिटल रूप से प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। केंद्र ने इस समझौता ज्ञापन के अनुसार अपनी सेवाएं निरंतर जारी रखी गई। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों, जारी किए गए प्रमाण-पत्रों व पहचान पत्रों और अन्य प्रासंगिक जानकारी के आंकड़े नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किए गए हैं:

आवेदन (माह के अनुसार)	प्राप्त आवेदनों की संख्या	अपात्र पाए गए आवेदनों की संख्या	जारी किए गए प्रमाणपत्रों की संख्या	जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या
अक्टूबर - दिसंबर 2025	1760	199	945	952

शोधगंगा: भारतीय शोधप्रबंधों का भंडार

वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही शोधगंगा के लिए अत्यंत उल्लेखनीय अवधि रही। इस अवधि में विश्वविद्यालयों, केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों (सी.एफ.टी.आई.), राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों (आई.एन.आई.) आदि द्वारा जमा किए गए पीएच.डी. शोधप्रबंधों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। साथ ही, शोधगंगा के उन्नत संस्करण से संबंधित विभिन्न सुधारों का परीक्षण भी किया गया। दिसंबर 2025 तक शोधगंगा रिपॉजिटरी में अपलोड किए गए पूर्ण-पाठ (फुल-टेक्स्ट) पीएच.डी. शोधप्रबंधों की कुल संख्या बढ़कर 6,47,708 हो गई। इनमें से 18,738 शोधप्रबंध प्रतिवेदित अवधि, अर्थात् अक्टूबर से दिसंबर 2025 के दौरान अपलोड किए गए।

31 दिसंबर 2025 तक शोधगंगा के अंतर्गत इन्फ्लिबनेट केंद्र के साथ कुल 1,022 संस्थानों (907 विश्वविद्यालय तथा 115 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान/राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान (सी.एफ.टी.आई./आई.एन.आई.)) ने समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) संपादित किया है। इसके फलस्वरूप शोधगंगा में उपलब्ध पूर्ण-पाठ (फुल-टेक्स्ट) शोधप्रबंधों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। प्रतिवेदित अवधि, अर्थात् अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 के दौरान 18 संस्थानों (18 विश्वविद्यालय तथा 0 केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थान/राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान (सी.एफ.टी.आई./आई.एन.आई.)) ने शोधगंगा से संबंधित समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) के दौरान शोधगंगा में कुल 18,738 शोधप्रबंध अपलोड किए गए (चित्र 9)।

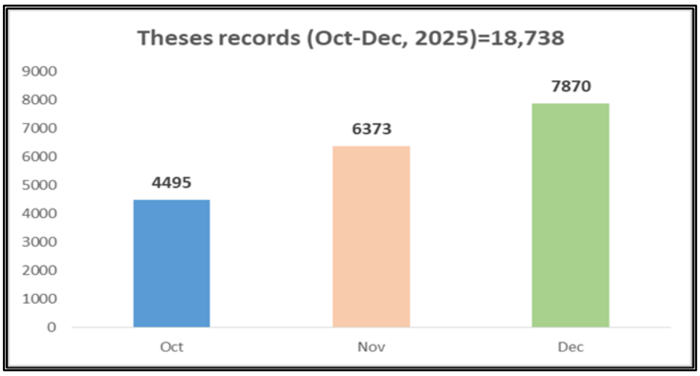

चित्र 9: शोधगंगा में अपलोड किए गए शोधप्रबंध

इसके अलावा, शोधगंगा राष्ट्रीय संचालन समिति की सिफारिशों के अनुसार, शोधगंगा को बेहतर गति और पहुंच के साथ एक नए संस्करण में स्थानांतरित करने का कार्य चल रहा है। इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड, डेटाबेस और इंटरफेस माइग्रेशन, तथा दक्षता में सुधार के लिए अतिरिक्त फीचर्स और प्लग-इन्स शामिल हैं। इस अवधि के दौरान अनुवाद की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए 'अनुवादिनी' (ANUVADINI) अनुवाद एआई टूल की नई सुविधाओं को भी शोधगंगा में एकीकृत (इंटीग्रेट) किया गया है।

शोधगंगोत्री

शोधगंगोत्री को अब आयुष मंत्रालय के अनुरोध पर स्नातकोत्तर (पी.जी.) शोध-प्रबंधों के लिए भी उपलब्ध करा दिया गया है। वर्तमान में इस रिपॉजिटरी में 154 विश्वविद्यालयों द्वारा योगदानित 18,014 सिनॉप्सिस/एम.आर.पी.एस /पी.डी.एफ./फेलोशिप/स्नातकोत्तर (पी.जी.) शोध-प्रबंध उपलब्ध हैं। इस प्रतिवेदित अवधि के दौरान इसमें 333 नए सिनॉप्सिस/एम.आर.पी./पी.डी.एफ./फेलोशिप/स्नातकोत्तर (पी.जी.) शोध-प्रबंध जोड़े गए।

शोधशुद्धि और प्लेजियरिज़्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर (पी.डी.एस.)

शिक्षा मंत्रालय द्वारा शोधशुद्धि पहल के अंतर्गत, भारत के सभी केंद्रीय, राज्य, मानित एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों / राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थानों को शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक सत्यनिष्ठा को सुदृढ़ करने तथा साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 सितंबर 2019 से केंद्रीय वित्तपोषण के माध्यम से साहित्यिक चोरी जाँच सॉफ्टवेयर (पी.डी.एस.) की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अक्टूबर 2023 से 1,100 से अधिक उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए नए पी.डी.एस. सॉफ्टवेयर ड्रिलबिट एक्सट्रीम की खरीद की

गई। तत्पश्चात मूल्यांकन समिति की अनुशंसा के आधार पर, पूर्ववत् नियमों एवं शर्तों के अंतर्गत वर्तमान अनुबंध की अवधि को सितंबर 2026 तक एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया।

31 दिसंबर 2025 तक परियोजना के प्रारंभ से अब तक 1,170 विश्वविद्यालयों/संस्थानों (जिनमें 888 सक्रिय हैं) द्वारा समानता/साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) की जाँच हेतु कुल 57,92,944 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए जा चुके हैं। शोधशुद्धि परियोजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 10 लाख दस्तावेज़ों की जाँच का प्रावधान, अतिरिक्त 20 प्रतिशत क्षमता के साथ किया गया है। इस प्रकार, 31 दिसंबर 2025 तक कुल 57.92 लाख दस्तावेज़ समानता/साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु प्रस्तुत किए जा चुके हैं।

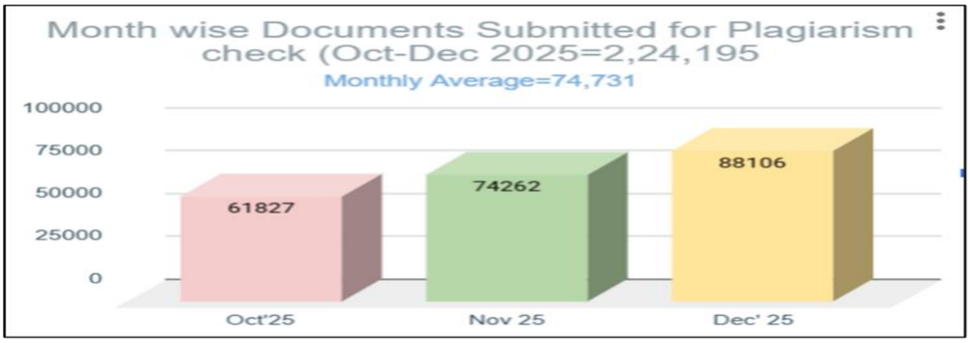

चित्र 10: प्रतिवेदित अवधि के दौरान पी.डी.एस. के उपयोग संबंधी आँकड़े

प्रतिवेदित अवधि के दौरान प्लेज़रिज़्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर (पी.डी.एस.) में समानता/साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु कुल 2,24,195 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए। चित्र–11 में पिछले तीन महीनों के दौरान प्राप्त प्रस्तुतियों की संख्या दर्शाई गई है, जिसमें अक्टूबर में 61,827, नवंबर में 74,262 तथा दिसंबर में 88,106 दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए। इस अवधि के दौरान प्रति माह प्रस्तुत किए गए दस्तावेज़ों की औसत संख्या 74,731 है।

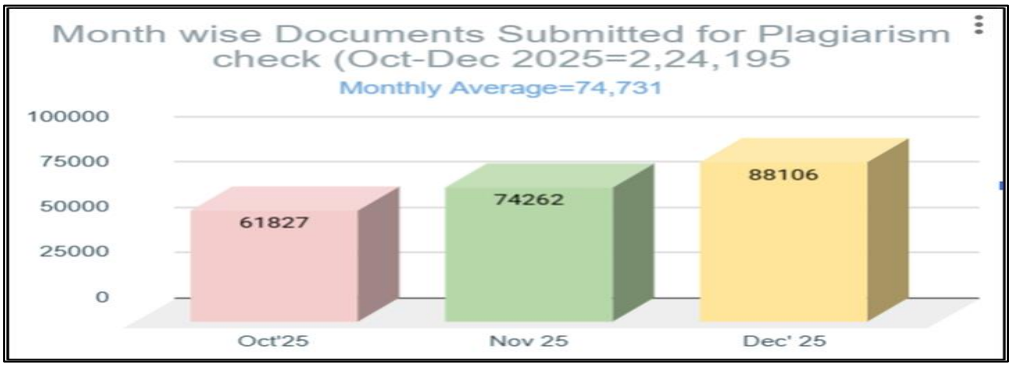

चित्र 11: अक्टूबर–दिसंबर 2025 तक माहवार पी.डी.एस. में जमा किए गए दस्तावेज़ों की संख्या

शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत इन्फ्लिबनेट केंद्र की शोधशुद्धि–पी.डी.एस. परियोजना विशेष रूप से पीएच.डी. शोधप्रबंधों, उनके सिनॉप्सिस तथा संबंधित शोधप्रबंध पर आधारित शोध-लेखों में साहित्यिक चोरी (प्लेज़रिज़्म) की जाँच के लिए निर्धारित है। इस परियोजना के उपयोगकर्ताओं की पहुँच संबंधित विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी संस्थागत नीति के अनुसार नियंत्रित की जाती है। अनेक विश्वविद्यालयों में साहित्यिक चोरी की जाँच हेतु दस्तावेज़ों को स्कैन करने का दायित्व नामित/अधिकृत अधिकारियों को सौंपा गया है।

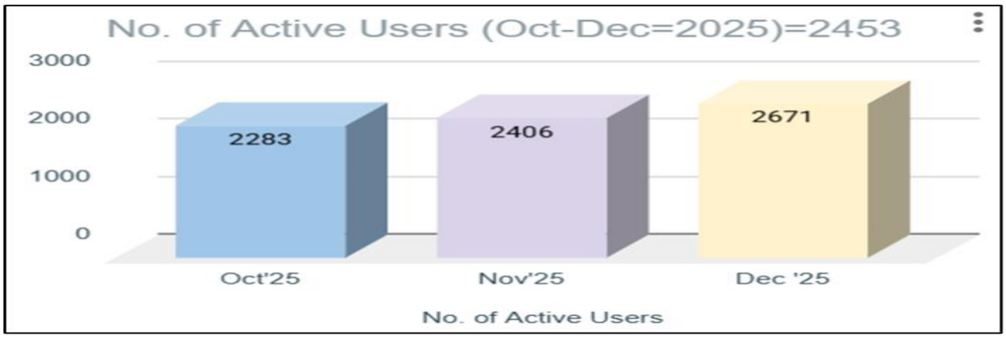

चित्र 12 में प्रतिवेदित अवधि के दौरान माहवार सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या दर्शाई गई है।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच

1. इन्फ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर द्वारा यह साझा करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि 9 दिसंबर 2025 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में उच्च शिक्षा विभाग (उ.शि.वि.), छत्तीसगढ़, इन्फ्लिबनेट केंद्र तथा छत्तीसगढ़ के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत, विश्वविद्यालय पुस्तकालय स्वचालन (लाइब्रेरी ऑटोमेशन) और अनुसंधान सहायता सहित इन्फ्लिबनेट की विभिन्न सेवाओं को क्रियान्वयन किया जाएगा । इस पहल को राज्य की डिजिटल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

चित्र-13: पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह

2. भारतीय विज्ञान सम्मेलन: राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में 26 से 29 दिसंबर 2025 तक आयोजित भारतीय विज्ञान सम्मेलन के सातवें संस्करण के अंतर्गत, 27 दिसंबर 2025 को "भारतीय शोध पत्रिकाओं के लिए मुक्त प्रकाशन पारिस्थितिकी तंत्र" विषय पर आयोजित मुख्य सत्र (प्लेनरी सेशन) के राउंड टेबल/कॉन्क्लेव में इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रो. देविका पी. माडल्ली तथा वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) डॉ. अभिषेक कुमार ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने ओपन साइंस प्लेटफॉर्म का प्रदर्शन भी किया। इस

मुख्य सत्र की अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य डॉ. शमिका रवि ने की। इस सत्र में शिक्षाविदों, कुलपतियों, प्रमुख संस्थानों के निदेशकों, वैज्ञानिकों तथा पुस्तकालयाध्यक्षों की एक प्रतिष्ठित सभा उपस्थित रही।

हिंदी कार्यक्रमों सहित अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- 14वां अंतर्राष्ट्रीय कैलिबर (CALIBER) 2025: एक रिपोर्ट
- 14वाँ अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025
- शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थानों में पुस्तकालय स्वचालन पर सम्मेलन
- पुस्तकालय 2047: विकसित भारत की दिशा में ज्ञान का लोकतंत्रीकरण
- तिथि: 17–19 नवंबर 2025

कैलिबर 2025: संगठनात्मक रूपरेखा

भूमिका / घटक	विवरण
आयोजक संस्थान	इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, गुजरात
सहयोगी संस्थान	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
स्थल	एस.वी.यू. श्रीनिवास ऑडिटोरियम, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति
सम्मेलन निदेशक	प्रो. एस. सुदर्शन राव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
संयोजक	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र
सह-संयोजक	श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र
आयोजन सचिव	डॉ. सुरेंद्र बाबू कोंगारा, प्रोफेसर एवं प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय
मुख्य प्रतिवेदक (रैपोर्टियर जनरल)	डॉ. आर. सेवुकन, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता, मीडिया एवं संचार अध्ययन संकाय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय
सह-प्रतिवेदक	डॉ. डिंपल पटेल, प्रोफेसर, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

कैलिबर की पृष्ठभूमि

कैलिबर , अर्थात् शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में पुस्तकालयों के स्वचालन पर, इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर का एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसका आयोजन भारत के विभिन्न मेजबान विश्वविद्यालयों के सहयोग से किया जाता है। यह सम्मेलन पुस्तकालय एवं सूचना पेशेवरों, शिक्षकों, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विशेषज्ञों, परामर्शदाताओं, उपयोगकर्ताओं

तथा सूचना प्रदाताओं को एक साझा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे पुस्तकालय स्वचालन, नेटवर्किंग, डिजिटल सेवाओं, विद्वत् संचार तथा उभरती ज्ञान प्रणालियों से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं।

14वाँ अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025

इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा 17 से 19 नवम्बर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश के सहयोग से 14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025 का आयोजन किया गया। सम्मेलन की विषय-वस्तु “लाइब्रेरी 2047: विकसित भारत की ओर ज्ञान का लोकतंत्रीकरण” थी, जिसमें वर्ष 2047 तक भारत को ज्ञान-केंद्रित, समावेशी एवं विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में पुस्तकालयों की भूमिका को ज्ञान तक समान एवं न्यायसंगत पहुँच, डिजिटल रूपांतरण, अनुसंधान सहयोग, नवाचार तथा राष्ट्रीय विकास के लिए रणनीतिक संस्थानों के रूप में रेखांकित किया गया। कैलिबर 2025 के उप-विषय निम्नलिखित थे -

i. डिजिटल ज्ञान का सृजन, साझाकरण एवं अवसंरचना
ii. सामाजिक समानता तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के संवर्धन में पुस्तकालयों की भूमिका
iii. ई-संसाधनों के प्रवेश-द्वार एवं नवाचार केंद्र के रूप में पुस्तकालय

इस विषय-वस्तु का उद्देश्य भारत के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण के अनुरूप पुस्तकालयों के रूपांतरण को बढ़ावा देना था। इसमें ज्ञान तक सार्वभौमिक पहुँच, समावेशी सेवा वितरण, डिजिटल ज्ञान अवसंरचना तथा अनुसंधान-सहयोग को प्रमुख आधार के रूप में रेखांकित किया गया।

उद्देश्य:

- विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समानतापूर्ण एवं भविष्य के लिए तैयार ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में पुस्तकालयों की भूमिका पर विचार-विमर्श करना।
- पुस्तकालयों एवं स्मार्ट पुस्तकालय सेवाओं के संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता , क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन, रिट्रीवल-ऑगमेंटेड जेनरेशन , इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग एवं संभावनाओं का परीक्षण करना।
- मुक्त अभिगम , मुक्त आँकड़े , मुक्त शैक्षिक संसाधन, मुक्त अनुसंधान अवसंरचना, अनुसंधान सहयोग सेवाओं, डिजिटल समावेशन, सतत विकास लक्ष्यों, सुगम्यता तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों के रूपांतरण से संबंधित विमर्श को सुदृढ़ करना।
- सतत विकास लक्ष्यों, सामाजिक समानता तथा सामुदायिक सशक्तिकरण में पुस्तकालयों की भूमिका पर चर्चा करना।
- शोधकर्ताओं, व्यावसायिक विशेषज्ञों तथा उद्योग भागीदारों को केस स्टडी, तकनीकी नवाचार, सेवाओं एवं कार्यान्वयन संबंधी अनुभव साझा करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करना ।
- उच्च शिक्षण संस्थानों एवं पुस्तकालय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रासंगिक इन्फ्लिबनेट केंद्र की गतिविधियों एवं सेवाओं का प्रदर्शन करना ।

इस सम्मेलन में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के पेशेवरों, शिक्षाविदों, शैक्षणिक प्रशासकों, शोधकर्ताओं, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, प्रकाशकों तथा सेवा प्रदाताओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम-सारिणी:

सम्मेलन का आयोजन तीन दिवसीय व्यावसायिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम के रूप में किया गया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में उद्घाटन एवं समापन सत्र, मुख्य वक्तव्य (Keynote) एवं आमंत्रित व्याख्यान, तकनीकी शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण सत्र, दो पैनल चर्चाएँ, समानांतर पोस्टर प्रस्तुति सत्र, इन्फ्लिबनेट केंद्र की गतिविधियों एवं सेवाओं के प्रदर्शन, सहभागियों के लिए नेटवर्किंग के अवसर तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रभावी समन्वय किया गया।

दिवस	दिनांक	मुख्य घटक	विषय का मुख्य केंद्र
दिवस 1	17 नवम्बर 202	उद्घाटन सत्र; सुश्री वाल्ट्राउट रिटर का मुख्य वक्तव्य; इन्फ्लिबनेट केंद्र की गतिविधियों एवं सेवाओं की प्रस्तुति; तकनीकी सत्र 1–2; तथा सांस्कृतिक कार्यक्र	ज्ञान अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), सार्वजनिक पुस्तकालयों से संबंधित विमर्श तथा संस्थागत नेटवर्किंग
दिवस 2	18 नवम्बर 2025	तकनीकी सत्र 3–6; पैनल चर्चा–1; समानांतर सत्र; आमंत्रित व्याख्यान; तथा वाणिज्यिक प्रस्तुतियाँ	मुक्त अभिगम , कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) युग में सूचना का लचीलापन, सामाजिक समानता, सतत विकास लक्ष्य , स्मार्ट प्रौद्योगिकियाँ, सुगम्यता तथा सामाजिक समावेशन
दिवस 2	19 नवम्बर 2025	तकनीकी सत्र–7; पोस्टर सत्र (A एवं B); तकनीकी सत्र–8; पैनल चर्चा–2; समापन सत्र तथा प्रमाण-पत्र वितरण	विकसित भारत 2047, अनुसंधान सहयोग, मेकरस्पेस , अनुसंधान डेटा रिपॉजिटरी तथा नागरिक विज्ञान

उद्घाटन सत्र :

सम्मेलन के प्रथम दिवस की कार्यवाही का शुभारंभ श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर 2025 के उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। "लाइब्रेरी 2047: विकसित भारत की ओर ज्ञान का लोकतंत्रीकरण" विषय पर आधारित इस सम्मेलन का आरंभ विशिष्ट अतिथियों के औपचारिक स्वागत एवं पारंपरिक सम्मान के साथ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. उमा कांजीलाल, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली; सम्मानित अतिथि प्रो. कोलिथा बी. विजेयसेकरा, उवा वेलासा विश्वविद्यालय, श्रीलंका; सम्मानित अतिथि प्रो. एस. विजया भास्कर राव, उपाध्यक्ष, आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद , आंध्र प्रदेश; प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र; प्रो. टाटा नरसिंगा राव, कुलपति, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति; प्रो. एम. भूपति नायडू, कुलसचिव, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय; प्रो. (सेवानिवृत्त) एस. सुदर्शन राव, सम्मेलन निदेशक, कैलिबर 2025; श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (पुस्तकालय विज्ञान) एवं संयोजक, कैलिबर 2025; तथा प्रो. के. सुरेंद्र बाबू, आयोजन सचिव, कैलिबर 2025, मंचासीन रहे।

चित्र-14 : कैलिबर 2025 के उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

• प्रो. के. सुरेंद्र बाबू ने स्वागत भाषण देते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पेशेवरों की भूमिका को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से जोड़ा।

• प्रो. उमा कांजीलाल ने अपने संबोधन में पुस्तकालयों की भावी दिशा पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुस्तकालय ज्ञान के खोजी तथा कौशल विकास के सशक्त माध्यम हैं, जो विकसित भारत के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका संबोधन कैलिबर 2025 की विषय-वस्तु के अनुरूप था।

• प्रो. देविका पी. माडल्ली ने अपने वक्तव्य में कैलिबर की महत्ता तथा इन्फ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न गतिविधियों एवं सेवाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च शिक्षा के भविष्य तथा शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान के साथ पुस्तकालयों के समेकन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

• प्रो. कोलिथा बी. विजेयसेकरा ने अधिगम की प्रक्रिया में पुस्तकालयों के महत्त्व एवं उनके व्यापक प्रभाव को रेखांकित करते हुए श्रीलंका के पुस्तकालयों के वैश्विक दृष्टिकोण से कैलिबर मंच को समृद्ध किया। उन्होंने दक्षिण एशियाई ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का भी सुझाव दिया।

• प्रो. एस. विजया भास्कर राव ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान समुदाय के सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा एवं अनुसंधान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए वंचित वर्गों तक पुस्तकालय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

• प्रो. टाटा नरसिंगा राव ने श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति को कैलिबर 2025 की मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए इन्फ्लिबनेट केंद्र के प्रति आभार व्यक्त किया तथा प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की विकास यात्रा एवं भावी दृष्टि से अवगत कराया।

• प्रो. एम. भूपति नायडू ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित कैलिबर 2025 की सफलता के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

• प्रो. एस. सुदर्शन राव (सेवानिवृत्त) ने अपने संबोधन में कैलिबर 2025 का व्यापक एवं सारगर्भित परिचय प्रस्तुत किया।

• उद्घाटन सत्र के समापन पर श्री पल्लब प्रधान ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, प्रायोजकों, कर्मचारियों तथा आयोजन की सफलता में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र के उपरांत इन्फ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न पहलों एवं सेवाओं पर एक प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में रिसर्च कॉर्नर , शोधगंगा , शोधशुद्धि , शोध-चक्र , सोल तथा भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली सहित विभिन्न पहलों का परिचय दिया गया। इन सेवाओं के माध्यम से शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अनुसंधान, शैक्षणिक संसाधनों तथा अनुसंधान प्रबंधन में प्रदान किए जा रहे सहयोग को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

विशिष्ट आमंत्रित वक्ता :

इस सम्मेलन में राष्ट्रीय संस्थागत नेतृत्व के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय एवं अंतर-संस्थागत सहभागिता का प्रभावी समन्वय देखने को मिला, जिसने शिक्षा-जगत, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा प्रकाशन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर एकत्रित किया। इस बहुआयामी सहभागिता ने विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवों एवं दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान को समृद्ध बनाया। कैलिबर 2025 के विशिष्ट आमंत्रित वक्ताओं का विवरण निम्नानुसार है —

- सुश्री वाल्ट्राउट रिटर – अनुसंधान निदेशक, नॉलेज डायलॉग्स, जर्मनी।
- प्रो. ए.आर.डी. प्रसाद – पूर्व प्रोफेसर, प्रलेखन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (डीआरटीसी), भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरु।
- प्रो. रोशन लाल रैना – कुलपति, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी।
- प्रो. अरुण के. तंगिराला – प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), तिरुपति।
- श्री अरनॉड डेलिवेट – सेल्स मैनेजर, ओसीएलसी (संयुक्त राज्य अमेरिका)।
- प्रो. आदित्य त्रिपाठी – प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएससी), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ।
- डॉ. के. नागेश्वर राव – पूर्व निदेशक, डिफेंस साइंटिफिक इन्फॉर्मेशन एंड डॉक्यूमेंटेशन सेंटर (DESIDOC) - डीआरडीओ
- डॉ. जे. के. विजयकुमार – एसोसिएट डीन, अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ एंटीगुआ।
- प्रो. के. के. गीताकुमारी – कुलपति, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय।
- डॉ. एस. श्रीनिवास राघवन – प्रोफेसर, भारतीदासन विश्वविद्यालय।

सुश्री वाल्ट्राउट रिटर के मुख्य वक्तव्य में पुस्तकालयों को ज्ञान-आधारित नगरों के केंद्र के रूप में रेखांकित किया गया तथा शहरी एवं ज्ञान-केंद्रित परिवेश की आवश्यकताओं के अनुरूप पुस्तकालय सेवाओं के पुनर्विचार एवं पुनर्संरचना की आवश्यकता पर बल दिया गया।आमंत्रित वक्ताओं की विविधता ने ज्ञान प्रशासन, डिजिटल पुस्तकालयों, पुस्तकालय नेतृत्व, अनुसंधान सहयोग, उच्च शिक्षा, सूचना प्रणालियों तथा प्रकाशन एवं सेवा पारिस्थितिकी तंत्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक मंच पर एकत्रित किया, जिससे सम्मेलन में बहुआयामी दृष्टिकोणों एवं अनुभवों का सार्थक आदान-प्रदान संभव हुआ।

पैनल की चर्चाएँ:

कैलिबर 2025 के दौरान दो पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जिनका विवरण निम्नलिखित है —

- पैनल चर्चा–1: विकसित भारत के लिए समुदायों का सशक्तिकरण : पुस्तकालयों एवं पुस्तकालयाध्यक्षों की विकसित होती भूमिका
- **पैनल चर्चा के अध्यक्ष:** प्रो. रमेश सी. गौर, प्रोफेसर एवं अधिष्ठाता (प्रशासन), निदेशक एवं प्रमुख, कला निधि प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली।

पैनल सदस्य:

1. डॉ. आकाश पाटिल, निदेशक, डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, नई दिल्ली।
2. प्रो. संगीता गुप्ता, प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएससी), जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर।
3. डॉ. राजेश सिंह, विश्वविद्यालय पुस्तकाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
4. डॉ. रमेश येरनागुला, निदेशक (पुस्तकालय एवं सूचना), विदेश मंत्रालय पुस्तकालय, नई दिल्ली।

पैनल चर्चा के प्रतिवेदक:

पैनल चर्चा के प्रतिवेदक: डॉ. के. जी. सुधीर, सहायक प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएससी), केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय, तिरुवारुर, तमिलनाडु।

- **पैनल चर्चा–2: अनुसंधान सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने में पुस्तकालयों की भूमिका: डेटा संरक्षण प्रबंधन से अनुसंधान सहायता सेवाओं तक।**

पैनल चर्चा के अध्यक्ष: डॉ. रविंदर कुमार चड्ढा, पूर्व अपर सचिव, लोकसभा सचिवालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

पैनल सदस्य:

डॉ. मयंक त्रिवेदी, विश्वविद्यालय पुस्तकाध्यक्ष, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात।
डॉ. निहार कांता पात्र, पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आई.आई.एस.ई.आर.), बेरहामपुर, ओडिशा।
डॉ. कन्नन पी., पुस्तकाध्यक्ष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) गांधीनगर, गुजरात।

पैनल चर्चा की प्रतिवेदक:
डॉ. स्नेहा त्रिपाठी, उप पुस्तकाध्यक्ष, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।

समापन सत्र

कैलिबर-2025 का समापन सत्र अत्यंत प्रेरणादायी एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित की गई, जिसके साथ सम्मेलन का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) के सलाहकार एवं इन्फ्लिबनेट केंद्र के पूर्व निदेशक, डॉ. जगदीश अरोड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। समापन सत्र के दौरान मंचासीन अन्य विशिष्ट अतिथियों में प्रो. के. सुरेंद्र बाबू, प्रोफेसर एवं पुस्तकाध्यक्ष, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति तथा आयोजन सचिव, कैलिबर 2025; प्रो. आर. सेवुकन, प्रोफेसर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय एवं मुख्य प्रतिवेदक (Rapporteur General), कैलिबर2025; प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र; सम्माननीय अतिथि के रूप में प्रो. उमा वेन्नम, कुलपति, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति; प्रो. च. अप्पा राव, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति; तथा श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.), इन्फ्लिबनेट केंद्र एवं संयुक्त संयोजक, कैलिबर 2025 शामिल थे।

समापन सत्र के दौरान सभी विशिष्ट अतिथियों ने भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक प्रो. एस. आर. रंगनाथन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुदृढ़ सार्वजनिक पुस्तकालय व्यवस्था तथा अनुसंधान-आधारित शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर स्थानीय आयोजन समिति द्वारा प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र, को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एल.आई.एस.) के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सत्र सूचना साक्षरता, समावेशन तथा सभी के लिए ज्ञान संसाधनों तक समान एवं मुक्त पहुँच को बढ़ावा देने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा देश के ज्ञान अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए एक दूरदर्शी कार्यसूची प्रस्तुत करता है।

चित्र–15: कैलिबर-2025 के समापन सत्र की झलकियाँ

शैक्षणिक योगदान एवं ज्ञान संसाधन

सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्रों की आधिकारिक स्वीकृत सूची के अनुसार कुल 35 शोधपत्र तथा 23 पोस्टर प्रस्तुतियाँ स्वीकृत की गईं। सम्मेलन के शैक्षणिक कार्यक्रम में पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मुक्त पहुँच (Open Access), डिजिटल समावेशन, सार्वजनिक पुस्तकालय, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), स्मार्ट पुस्तकालय, अनुसंधान सहायता सेवाएँ, अनुसंधान डेटा रिपॉजिटरी, साइबर सुरक्षा, मेकरस्पेस (Makerspaces), नागरिक विज्ञान (Citizen Science), सुगम्यता (Accessibility) तथा विकसित भारत 2047 के संदर्भ में पुस्तकालयों की बदलती भूमिका जैसे समकालीन एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

इन विविध विषयों पर हुई सार्थक चर्चाओं एवं प्रस्तुत शोध कार्यों से यह स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आया कि पुस्तकालय अब केवल संस्थानों अथवा इकाइयों के सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ज्ञान, समावेशन, अनुसंधान एवं नवाचार

के लिए सुदृढ़ आधारभूत अवसंरचना के रूप में विकसित हो रहे हैं। इस दृष्टि से कैलिबर-2025 राष्ट्रीय नीतिगत आकांक्षाओं को पुस्तकालयों के व्यावहारिक रूपांतरण से जोड़ने वाला एक प्रभावी एवं समयानुकूल मंच सिद्ध हुआ।

आउटपुट श्रेणी	स्वीकृत संख्या	प्रमुख विषय
स्वीकृत शोधपत्र	35	पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई), मुक्त पहुँच (Open Access), सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी), सार्वजनिक पुस्तकालय, सुगम्यता (Accessibility), अनुसंधान सहायता सेवाएँ, स्मार्ट प्रौद्योगिकियाँ, मुक्त डेटा (Open Data), साइबर सुरक्षा आदि।
पोस्टर प्रस्तुतियाँ	23	क्लाउड अंगीकरण (Cloud Adoption), मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER), डिजिटल समावेशन, आंध्र प्रदेश में पुस्तकालय विकास, वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पर जागरूकता, मेकरस्पेस (Makerspaces), भ्रामक सूचना (Misinformation), दूरस्थ अभिगम (Remote Access), विधिक ज्ञान (Legal Knowledge), नागरिक विज्ञान (Citizen Science) आदि।

कैलिबर-2025 में प्रस्तुत शोधपत्रों एवं पोस्टर प्रस्तुतियों से यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ कि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान का क्षेत्र एक साथ तीन महत्वपूर्ण परिवर्तनों—तकनीकी रूपांतरण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्रीय विकासोन्मुख दृष्टिकोण—की दिशा में सक्रिय रूप से अग्रसर है। यह संतुलित दृष्टिकोण भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पुस्तकालय स्वचालन एवं डिजिटल सेवाओं को समावेशन, सुशासन, अनुसंधान उत्पादकता तथा सामाजिक प्रभाव से प्रभावी रूप से जोड़ता है। कैलिबर-2025 के सभी स्वीकृत शोधपत्र एवं पोस्टर सारांश प्रकाशित किए जा चुके हैं तथा इन्फ्लिबनेट केंद्र के **IR@INFLIBNET** संस्थागत रिपॉजिटरी पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं : https://ir.inflibnet.ac.in/handle/1944/2511 ।

प्रमुख निष्कर्ष एवं अनुशंसाएँ

श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित **कैलिबर-2025** के समापन सत्र में भारत के वर्ष 2047 तक के ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में **'तिरुपति घोषणाओं' (Tirupati Declarations)** के अंतर्गत नौ महत्वपूर्ण संकल्प प्रस्तुत किए गए। इन ऐतिहासिक घोषणाओं में ज्ञान तक लोकतांत्रिक एवं समान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय नीति को अपनाने, पुस्तकालयाध्यक्षों एवं शिक्षकों के लिए उन्नत प्रशिक्षण की व्यवस्था, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन ईपी) के अनुरूप पाठ्यक्रम सुधार तथा मुक्त अधिगम (Open Learning) मंचों को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल थे।

निष्कर्ष

कैलिबर-2025 ने भारत की वर्ष 2047 तक की विकास यात्रा के संदर्भ में पुस्तकालयों की भविष्य की भूमिका पर पुनर्विचार एवं विमर्श के लिए एक समयानुकूल तथा दूरदर्शी मंच प्रदान किया। इस सम्मेलन में 650 से अधिक प्रतिनिधियों

की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिसने पुस्तकालयों एवं डिजिटल सूचना प्रणालियों के क्षेत्र में नवाचार, सहयोग तथा उत्कृष्टता की भावना को और सुदृढ़ किया। सम्मेलन का प्रमुख संदेश यह रहा कि वर्ष 2047 का पुस्तकालय केवल तकनीकी रूप से सक्षम ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों पर आधारित, सामाजिक रूप से समावेशी तथा अनुसंधानोन्मुख भी होना चाहिए। ऐसा पुस्तकालय विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं तथा नागरिकों को केवल सूचना तक पहुँच उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर, ज्ञान की खोज, विश्वसनीयता, सहभागिता तथा ज्ञान सृजन को भी प्रोत्साहित करे। इस दृष्टि से, कैलिबर-2025 ने ज्ञान के लोकतंत्रीकरण तथा विकसित भारत के निर्माण में पुस्तकालयों को एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक एवं शैक्षणिक संस्था के रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में अपनी सार्थक भूमिका को सुदृढ़ रूप से रेखांकित किया।

इन्फ्लिबनेट केंद्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बेहतर बनाने की दिशा में उठाए गए कदम

इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तथा हिंदी समिति की 5 दिसंबर 2025 को हुई बैठक की सिफारिशों के अनुपालन में, केंद्र में दो दिवसीय हिंदी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य कार्यालयी कार्यों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना और कर्मचारियों के बीच हिंदी के प्रति रुचि जाग्रत करना था।

चित्र-16: राजभाषा हिंदी प्रतियोगिता 2025

इसी क्रम में, 18 दिसंबर 2025 को श्री गौरव प्रकाश द्वारा एक विशेष तकनीकी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र के दौरान सभी कर्मचारियों को कंप्यूटर में यूनिकोड हिंदी टाइपिंग के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य डिजिटल माध्यमों पर हिंदी में कार्य करने की झिझक को दूर करना और कार्यक्षमता में वृद्धि करना था।

प्रशिक्षण के साथ-साथ 18 और 19 दिसंबर 2025 को विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में श्रुतलेख, अनुवाद, हस्तलेखन और कविता लेखन जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें सभी कर्मचारियों ने अनिवार्य रूप से और उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों को अपनी भाषाई और रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इन प्रतियोगिताओं में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इन आयोजनों के सफल समापन के पश्चात, प्रत्येक प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं को आगामी गणतंत्र दिवस (26.01.2026) के समारोह के दौरान नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। यह संपूर्ण आयोजन संस्थान में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की दिशा में एक सकारात्मक कदम सिद्ध हुआ है।

आगंतुक (औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण)

संस्थागत आगंतुकों का विवरण		
संस्थान का नाम	**विद्यार्थियों/अधिकारियों की संख्या**	**भ्रमण की तिथि**
राजभवन, उत्तर प्रदेश तथा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ	02	29-12-2025
बीसीए विभाग, एसडीजे इंटरनेशनल कॉलेज, वेसू, सूरत	-	30-12-2025

1. उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) एवं अपर मुख्य सचिव **प्रो. पंकज एल. जानी** तथा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति **प्रो. जे. पी. पांडेय** ने दिनांक **29 दिसंबर 2025** को इन्फ्लिबनेट केंद्र का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्हें केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही प्रमुख सेवाओं एवं पहलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में उनके कार्यान्वयन की प्रगति से अवगत कराया गया।

चित्र–17: इन्फ्लिबनेट केंद्र का उत्तर प्रदेश के अधिकारियों द्वारा भ्रमण

2. एसडीजे इंटरनेशनल कॉलेज, वेसू, सूरत के बीसीए विभाग के विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष श्री नैनेश गाठियावाला के मार्गदर्शन में दिनांक 30 दिसंबर 2025 को इन्फ्लिबनेट केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर इन्फ्लिबनेट केंद्र के श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) ने इन्फ्लिबनेट की गतिविधियों एवं सेवाओं विषय पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिससे प्रतिभागियों को राष्ट्रीय शैक्षणिक सूचना संसाधनों एवं केंद्र की विभिन्न सेवाओं के संबंध में उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई।

चित्र–18: बीसीए विभाग, एसडीजे इंटरनेशनल कॉलेज, वेसू, सूरत के विद्यार्थियों का इन्फ्लिबनेट केंद्र भ्रमण

कार्मिक समाचार

प्रो. देविका पी. माडल्ली, निदेशक

- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने वाराणसी स्थित महात्मना पुस्तकालय विज्ञान पूर्व छात्र संघ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) द्वारा आयोजित वेबिनार में "राष्ट्र निर्माण के लिए पुस्तकालय : विचारों का निर्माण, भविष्य का निर्माण" विषय पर मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया।
- प्रो. माडल्ली ने 13 से 16 अक्टूबर 2025 तक ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डेटा सप्ताह (International Data Week - IDW) के अंतर्गत 15 अक्टूबर 2025 को वर्ल्ड डेटा सिस्टम (WDS) की वैज्ञानिक समिति की सदस्य के रूप में "डेटा क्षेत्र में रिपॉजिटरी की स्थिरता एवं संगठनों की भूमिका" विषय पर आयोजित संगठनात्मक विचार-विमर्श सत्र का सह-अध्यक्षता एवं संचालन किया।
- प्रो. माडल्ली ने 15 अक्टूबर 2025 को ब्रिस्बेन, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डेटा सप्ताह (IDW) के दौरान "अनुसंधान में डेटा की नीति एवं व्यवहार : डेटा, समाज, नैतिकता एवं राजनीति" विषय पर आयोजित एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- प्रो. माडल्ली ने रिसर्च डेटा एलायंस (Research Data Alliance - RDA) Plenary 25, जो अंतरराष्ट्रीय डेटा सप्ताह (IDW) का एक भाग था, के चौथे एवं अंतिम दिन वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।

- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने गुजरात के अहमदाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित एसजेएआई सम्मेलन में "Fraud, Flaws, and Fixes: Journalism to Restore Research Integrity" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में पैनल सदस्य के रूप में सहभागिता की।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 7 नवंबर 2025 को केंद्रीय तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित "Legacy to Legendary: Digital Rebuilding of the Foundations for Future Libraries (LDRF 2025)" विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन किया।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने COPE Publication Integrity Week के अंतर्गत सहकर्मी समीक्षा (Peer Review) मॉडल पर आयोजित महत्वपूर्ण पैनल चर्चा में पैनल सदस्य के रूप में सहभागिता की तथा मुक्त विज्ञान ,डेटा प्रबंधन एवं विद्वतापूर्ण प्रकाशन के क्षेत्र में अपने विचार एवं विशेषज्ञता साझा की।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली को 26 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (NITTTR), चंडीगढ़ द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली विषयक संगोष्ठी में "अनुसंधान का उपनिवेश-मुक्तिकरण (De-colonization of Research)" विषय पर व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 28 नवंबर 2025 को आंध्र प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद एवं आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "NIRF–2026 में रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से संस्थागत उत्कृष्टता" विषयक राज्य स्तरीय एकदिवसीय कार्यशाला में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के NIRF समन्वयकों के लिए संसाधन व्यक्ति (Resource Person) के रूप में सहभागिता की।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली को 2 दिसंबर 2025 को केरल विश्वविद्यालय एवं कालीकट विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से केरल राजभवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम की गरिमामयी उपस्थिति केरल के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बढ़ाई।
- प्रो. देविका पी. माडल्ली का 3 दिसंबर 2025 को ORCID के गवर्नेंस बोर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचन हुआ।

- प्रो. देविका पी. माडल्ली ने 7–8 दिसंबर 2025 को एस. डी. पुस्तकालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित 11वें आईआईटी पुस्तकाध्यक्ष सम्मेलन–2025 में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.)

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक-एफ (सी.एस.) को 21 नवंबर 2025 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आयोजित "Unlocking Knowledge Repositories: Shodhganga and VIDWAN" विषयक एकदिवसीय कार्यशाला में आमंत्रित किया गया।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.)

- डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस.) ने 6 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में शोधार्थियों के मार्गदर्शन हेतु संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. अभिषेक कुमार ने 7 से 14 अक्टूबर 2025 तक जयपुर नेशनल विश्वविद्यालय, जयपुर के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित ऑनलाइन अनुसंधान कार्यशाला के अंतर्गत 7 अक्टूबर 2025 को "शोध-चक्र" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. अभिषेक कुमार ने 1 नवंबर 2025 को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (DAVV), इंदौर के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित "संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों के लिए शोध-चक्र" विषयक ऑनलाइन जागरूकता सत्र में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- डॉ. अभिषेक कुमार ने 8 नवंबर 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), केंद्रीय गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम में "ई-लर्निंग में भारत की पहल" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. अभिषेक कुमार ने 22 नवंबर 2025 को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम में "सीईसी एवं इन्फ्लिबनेट : उच्च शिक्षा एवं विश्वविद्यालय प्रणाली में उनका महत्व" विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

- **डॉ. अभिषेक कुमार** ने 6 दिसंबर 2025 को यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC), केंद्रीय गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (Refresher Course) में **"ई-लर्निंग : सामग्री निर्माण एवं इसके मंच"** विषय पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- **डॉ. अभिषेक कुमार** ने 19 दिसंबर 2025 को क्रांतिगुरु श्यामजी कृष्ण वर्मा कच्छ विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास विभाग द्वारा आयोजित **पीएच.डी. पाठ्यक्रम–2026** के अंतर्गत **"शोध समुदाय के लिए इन्फ्लिबनेट सेवाएँ"** विषय पर विशेषज्ञ के रूप में ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

श्री हितेश कुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस.) ने 11 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER), अहमदाबाद में आयोजित ऑफ़लाइन विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत "अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को सुदृढ़ बनाने में VIDWAN एवं IRINS की भूमिका" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) ने **कैलिबर-2025** के संयोजक के रूप में 17 से 19 नवंबर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में **14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर-2025 सम्मेलन** का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)

- **श्री राजा वी., वैज्ञानिक-सी (सी.एस.)** ने 10 दिसंबर 2025 को केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय में **"पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ और सेवाएँ"** विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- **श्री राजा वी.** ने 14 नवंबर 2025 को सीतालक्ष्मी रामास्वामी कॉलेज (सरकारी सहायता प्राप्त), तिरुचिरापल्ली में **"पुस्तकालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं इन्फ्लिबनेट की गतिविधियाँ और सेवाएँ"** विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- **श्री राजा वी.** ने **कैलिबर-2025** के संयुक्त संयोजक (Co-Convenor) के रूप में 17 से 19 नवंबर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित **14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर-2025** सम्मेलन के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- **डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)** ने उदयभान सिंहजी क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान, गांधीनगर, गुजरात में आयोजित राजभाषा नराकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की।

- **डॉ. सुरभि** ने 30 अक्टूबर 2025 को नराकास, गांधीनगर, जनगणना संचालन निदेशालय तथा राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU), गांधीनगर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित **हिंदी कार्यशाला** में सहभागिता की।

श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.)

- श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक-सी (एल.एस.) ने 17 से 19 नवंबर 2025 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित 14वें अंतरराष्ट्रीय कैलिबर-2025 सम्मेलन में "Understanding Perceptions and Practices of Open Access in Northern Indian Academia" विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- श्री राजन कुमार ने 11 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (NIPER), अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित ऑफ़लाइन विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत "अनुसंधान की दृश्यता एवं सहयोग को बढ़ाने के लिए VIDWAN एवं IRINS का प्रभावी उपयोग" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

श्री धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)

- **श्री धर्मेश शाह, वैज्ञानिक-बी (सी.एस.)** को 9 जनवरी 2026 को निर्धारित **औरो विश्वविद्यालय, सूरत** में **शोध-चक्र** विषयक सत्र आयोजित करने हेतु आमंत्रित किया गया।

उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया (शोधगंगा के लिए)

आदरणीय महोदय,

मैं एक शोधार्थी हूँ। वर्तमान में मुझे शोधगंगा में उपलब्ध शोधप्रबंध के अध्यायों तक पहुँच प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। शोधगंगा मेरे लिए संदर्भ सामग्री प्राप्त करने का एक उपयोगी माध्यम रहा है, जो मेरे शोध कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

आदरणीय महोदया,

मैं इस अवसर पर इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा शोधगंगा के रखरखाव एवं विकास के लिए किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करना चाहता/चाहती हूँ। शोधगंगा भारत भर के शोधकर्ताओं, संस्थानों एवं विद्यार्थियों के लिए एक अत्यंत उपयोगी संसाधन सिद्ध हुआ है। इस मंच ने शैक्षणिक अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा डॉक्टरेट शोधप्रबंधों को सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और यह भारत के शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

महाविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष (शैक्षणिक स्तर–12)
सेंट थॉमस कॉलेज, त्रिशूर

आदरणीय महोदय,

वेद पुस्तकालय की ओर से शुभकामनाएँ।

मैं आपके सहयोग एवं समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता/चाहती हूँ। आपका सहयोग हमारे शोधार्थियों के लिए अत्यंत सहायक रहा है और आपके द्वारा किए गए प्रयासों की हम हृदय से सराहना करते हैं।

आपके समय पर दिए गए सहयोग के कारण वे अब 13 दिसंबर 2025 को निर्धारित दीक्षांत समारोह में भाग लेने में सक्षम हो सके हैं। यह हम सभी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे संभव बनाने में आपके योगदान के लिए हम आपके प्रति अत्यंत आभारी हैं।

क्षेत्रीय समाचारों एवं सोशल मीडिया में इन्फ्लिबनेट

ABN ఆంధ్రజ్యోతి

రాష్ట్రపతి పర్యటనలో అప్రమత్తంగా ఉండండి

ఉన్నత సమాజ నిర్మాణానికి గ్రంథాలయాలే మార్గం

దేశ పురోభివృద్ధిలో గ్రంథాలయాలది కీలకపాత్ర

● అంతర్జాతీయ సదస్సులో వక్తలు

● లంకా సూర్యనారాయణకు జీవిత సాఫల్య పురస్కారం ప్రదానం

Date : 18/11/2025 EditionName : ANDHRA PRADESH PageNo : 20

ABN ఆంధ్రజ్యోతి

● సామాన్య ప్రజల చెంతకు

పుస్తక విజ్ఞానాన్ని చేర్చాలి

లైబ్రరీ సైన్స్ అంతర్జాతీయ సదస్సు ముగింపు సభలో వక్తల మనోభావం

బుధవారం 19.11.2025

ఆంధ్రనాడు

సమాచార వ్యవస్థ ఆధునిక అంశాలపై మేధోమథనం

Library 2047:Democratizing Knowledge towards Viksit Bharat

ప్రజాశక్తి

జ్ఞానం వేగవంతంగా సామాన్యులకు చేరాలి

గ్రంథాలయ ముగింపు సదస్సులో వక్తల పిలుపు

Date: 2025-11-20, Edition:Tirupati, Pg.No: 3
Source: https://epaper.prajasakti.com

ఆంధ్రప్రభ

జ్ఞానాన్ని సామాన్య ప్రజలకు వేగవంతంగా చేర్చాలి

మహిళా వర్సిటీ వీసీ ఉమా

సదస్సులో ప్రసంగిస్తున్న వీసీ ఉమా

20/11/2025 | Chittoor | Page : 3
Source : https://epaper.prabhanews.com

వార్త

20 Nov 2025 - Page 1

జ్ఞానాన్ని వేగవంతంగా సామాన్య ప్రజలకు చేరాలి

- గ్రంథాలయ అంతర్జాతీయ సదస్సులో వక్తలు

- ఘనంగా ముగిసిన అంతర్జాతీయ గ్రంథాలయ సదస్సు

తిరుపతి విద్య, నవంబర్ 19, ప్రభాతవార్త:

ఎస్వీయూ మరియు యూజీసీ ఇన్ఫ్లిబిట్ సంయుక్తముగా ఎస్వీయూ లైబ్రేరియన్ ఆచార్య సురేంద్రబాబు, ఇన్ఫ్లిబిట్ అధినేత ఆచార్య దేవిక మద్దాలి ఆధ్వర్యంలో జరిగిన మూడు రోజుల లైబ్రరీ 2047 అభివృద్ధి భారతం వైపు జ్ఞానాన్ని ప్రజాస్వామ్యీకరించడం అనే అంతర్జాతీయ సదస్సు ముగింపు సభ ఎస్వీయూ శ్రీనివాస ఆడిటోరియంలో ఘనంగా ముగిసినది. ఇందులో ముఖ్య అతిథులుగా ఎన్బీఏ అడ్వైజర్ ఆచార్య జగదీష్ అరోరా, ఎస్వీయూ రెక్టార్ ఆచార్య చిప్పాడా అప్పారావు, ఇన్ఫ్లిబిట్ జాయింట్ కన్వీనర్ శ్రీ రాజా, పాండిచ్చేరి అధ్యాపకుడు ఆచార్య సేవుకన్ తదితరులు పాల్గొన్నారు. ముఖ్య అతిథులు మాట్లాడుతూ సమాచారం, పరిశోధనలు, సాహిత్యాలు, రచనలు, వార్తా విశేషాలు తదితరాంశాలు సామాన్య ప్రజానీకానికి వేగంగా చేరాలని ఆకాంక్షించారు. ఈ సందర్భంగా తిరుపతి తీర్మానాలు పేరుతో తొమ్మిది తీర్మానాలు వారు ప్రకటించడం జరిగింది. అందులో ప్రధానంగా అభివృద్ధి భారతం 2047 కు జ్ఞానాన్ని ప్రజాస్వామ్యీకరించడానికి, దార్శనికతను సాధించడానికి జాతీయ స్థాయి గ్రంథాలయ విధానాన్ని రూపొందించాలన్నారు. మారుతున్న వాతావరణంలో నిబద్ధత, పునఃసమర్థనతో కొత్త వ్యూహాలు, సాధనాలు, పద్ధతులను అనుకరించడం ద్వారా వేగవంతమైన సేవలను అందించడానికి అవసరమైన మృదువైన మరియు కఠినమైన నైపుణ్యాలను అభివృద్ధి చేయడానికి గ్రంథాలయాలనూ, లైబ్రరీ సైన్స్ ఉపాధ్యాయులకు కఠినమైన ఇన్సర్వీస్ శిక్షణను అందించడం. క్రమబద్ధమైన లైబ్రరీ ఇంటర్న్‌షిప్‌లు, బహుళ విభాగ విధానంతో నైపుణ్యం ఆధారిత అభ్యాసంపై ప్రాధాన్యతనిచ్చే ఎన్ఈపి 2020 వంటి తాజా పరిణామాలకు అనుగుణంగా లైబ్రరీ ప్రాక్టీషనర్లు, లైబ్రరీ సైన్స్ ఉపాధ్యాయుల సమన్వయంతో లైబ్రరీ

Hans India

SVU's GLOBAL KNOWLEDGE SUMMIT

National library policy among key resolutions

- 3-day international conference begins in Tirupati
- A significant highlight was the announcement of nine 'Tirupati Declarations', aimed at shaping India's knowledge ecosystem for 2047

HANS NEWS SERVICE
TIRUPATI

Prof Devika Madalli, Prof Jagadish Arora, Prof V Uma, Prof Surendra Babu paying tributes to father of library science SR Ranganathan at SV University in Tirupati on Wednesday

THE three-day international conference 'Library 2047: Democratising Knowledge for Viksit Bharat', jointly organised by Sri Venkateswara University (SVU) and UGC–Inflibnet under the leadership of SVU Librarian Prof Surendrababu and Inflibnet Centre Chief Prof Devika Madalli, concluded on a grand note on Wednesday.

The guests including NBA Advisor Prof Jagadish Arora, Sri Padmavati Mahila University Vice-Chancellor Prof V Uma, SVU Rector Prof Ch Appa Rao, Inflibnet Joint Convener Raja, and Prof Sevukan from Puducherry participated in the valedictory session. Speaking on the occasion, they stressed the need for faster dissemination of information, research, literature, writing and news to the public.

A significant highlight was the announcement of nine 'Tirupati Declarations', aimed at shaping India's knowledge ecosystem for 2047. Key resolutions included the formulation of a national library policy to democratise knowledge, introduction of rigorous in-service training for librarians and library science teachers, and revamping library science curricula in line with NEP-2020 with a focus on skill-based, interdisciplinary learning.

The declarations also proposed integrating information literacy at the undergraduate level, establishing a research council within libraries, and conducting regular orientation programmes to promote awareness of publishing ethics and plagiarism. Further, librarians were urged to take the lead in teaching "Research and Publication Ethics" to scholars, strengthening public library systems, and promoting the use of open learning platforms such as SWAYAM to ensure free access to knowledge for all.

20/11/2025 TIRUPATI Pg 03

ദേശാഭിമാനി

Wed, 03 December 2025

കലിക്കറ്റ് സർവകലാശാല ചടങ്ങിൽ 'കാവിക്കൊടിയേന്തിയ സ്ത്രീ'

ബഹിഷ്കരിച്ച് ഇടതുപക്ഷം, പങ്കെടുത്ത് മുസ്ലിംലീഗ്– കോൺഗ്രസ് അംഗങ്ങൾ

കലിക്കറ്റ് സർവകലാശാലയുടെ ആഭിമുഖ്യത്തിൽ ലോക്ഭവനിൽ നടന്ന പുസ്തക പ്രസാധന ചടങ്ങിൽ കാവിക്കൊടിയേന്തിയ സ്ത്രീയുടെ ചിത്രം

മതേതര പാരമ്പര്യം തകർക്കാൻ അനുവദിക്കില്ല: ഇടതുപക്ഷ സിൻഡിക്കേറ്റംഗങ്ങൾ